तापमान
अधिकतम 38 .0 डिग्रीसे.
न्यूनतम 19 .0 डिग्रीसे.

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 14 जून 2026

12 मानसून से पहले क्षेत्र में प्राथमिकता से करें नालियों ..

12 पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश उन्नति की ओर अग्रसर ..

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तोपखाना बाजार मेन मार्केट स्थित पाल इलेक्ट्रिक दुकान से मोटर चोरी करने के मामले में आरोपी को काबू किया है। सुरबीर पाल ने 11 जून 2026 को शिकायत दी थी कि 4 जून 2026 को आरोपी ने तोपखाना बाजार मेन मार्केट स्थित उसकी पाल इलेक्ट्रिक दुकान से मोटर चोरी की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। आरोपी के खिलाफ थाना अंबाला छावनी, महेशनगर व सेक्टर-9 अंबाला शहर में चोरी के 7 मामले दर्ज हैं। आरोपी 4 जून 2026 को जमानत पर रिहा हुआ था। रिहा होते ही आरोपी ने चोरी की एक और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी कर्ण को भी काबू कर उससे मोटर व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर शहर के पुराना हमीदा क्षेत्र से एक युवक शादी का झांसा देकर युवती को अगवा करके ले गया। पुलिस ने युवती की मां की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुराना हमीदा क्षेत्र निवासी महिला ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 जून को सुबह 11 बजे उसकी 22 वर्षीय लड़की किसी काम से घर से बाहर गई थी। मगर इसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को कॉलोनी का ही लोकेश शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से हड़पे 13 लाख

यमुनानगर। पुराना हमीदा निवासी राजिंद्र कौर ने आरोप लगाया है कि राम सिंह और सुखविंदर सिंह ने उसके मुंह बोले भाई जसकरण को कनाडा भेजने के नाम पर 13 लाख रुपये ठग लिए। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने दावा किया था कि वे कई लोगों को विदेश भेज चुके हैं और जसकरण को भी रोजगार के लिए कनाडा भेज देंगे। अगस्त 2025 में उन्होंने रुपये और आवश्यक दस्तावेज ले लिए, लेकिन बाद में न तो जसकरण को कनाडा भेजा और न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया। शिकायत पर जांच के बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

महिला बेटी के साथ संदिग्ध हालात में लापता

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के गांव चुहड़पुर कलां से एक महिला अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। महिला की मां रीटा देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी दिव्या अपनी बेटी आन्या के साथ घर पर रहती थी। 11 जून को दोपहर करीब ढाई बजे दिव्या अपनी बेटी के साथ किसी काम से घर से बाहर गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश की, मगर दोनों का कोई सुराग नहीं मिला।

लकड़ी बेचने के नाम पर व्यक्ति से हड़पे 16 लाख

यमुनानगर। गांव अलाहर निवासी लकड़ी व्यापारी पवन कुमार से लकड़ी बेचने के नाम पर 16 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। पवन कुमार ने आरोप लगाया कि यासीन माजरी निवासी सतीश, फाजिलपुर निवासी मतलूब और सादिकपुर निवासी इकबाल ने मार्च 2026 में उसे लकड़ी दिखाकर सौदा तय किया और 28 मार्च से 13 अप्रैल के बीच 16 लाख रुपये ले लिए। आरोप है कि रकम लेने के बावजूद आरोपियों ने लकड़ी नहीं दी और पूछने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। शिकायत के बाद साढौरा पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंबाला में सीआईए-2 टीम को बड़ी कामयाबी, कार और बाइक बरामद

गिट्टियां खेलने के बहाने ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 4 सदस्य पकड़े

- रेजिंटा होटल के पास चेन छीनने की शिकायत पर कार्रवाई हुई
- तीन आरोपी जेल भेजे गए, एक रिमांड पर, कई मामले पहले दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। पकड़े गए गिरोह के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

पुलिस ने ऐसे गिरोह का भंड़ाफोड़ किया है जोकि गिट्टियां खेलने के बहाने लोगों से स्नेचिंग व ठगी का काम करता था। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को काबू किया है। सीआईए-2 की टीम ने इस गिरोह को काबू करने में मुस्तैदी दिखाई है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी और मोटरसाइकिल बरामद की है।

वारदात का अनोखा तरीका

पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर 'गिट्टियां खेलने' का बहाना बनाते थे। वे लोगों को इस खेल में शामिल होने का लालच देते थे। जैसे ही पीड़ित का ध्यान खेल में पूरी तरह लग जाता, गिरोह के अन्य सदस्य वहां भीड़ इकट्ठा कर लेते थे। इसी भीड़भाड़ और ध्यान भटकने का फायदा उठाकर आरोपी बड़ी सफाई से पीड़ित के गले से सोने की चेन तोड़कर फरार हो जाते थे। बता दें कि 21 मई 2026 को शिवालिक कॉलोनी के मुकुल ने थाना बलदेव नगर में गिरोह के सदस्यों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, रेजिंटा होटल (सद्दोपुर) के पास आरोपियों ने उनका ध्यान भटका कर सोने की चेन छीन ली थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सीआईए-2 को सौंपी थी। जांच के दौरान ही पुलिस ने पंजाब के जिला मोगा के गांव रोली के रविंदर कुमार उर्फ बब्बू, गुरप्रीत सिंह, गांव फतेहगढ़ के सिंदर उर्फ छिंदा, व मोगा के ही गांव तलवंडी के जगमीत को काबू किया हे। जांच अधिकारी के अनुसार यह एक आदतन अपराधी गिरोह है। इनके खिलाफ पंजाब के खरड़, धर्मकोट, रोपड़ और मोगा जिलों के विभिन्न थानों में इसी तरह की वारदातों को अंजाम देने के करीब कई मामले पहले से दर्ज हैं।

साहा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में स्थायी फायर ब्रिगेड तैनात करने के निर्देश

अंबाला। आगजनी का जायजा लेते मंत्री अनिल विज। फोटो: हरिभूमि

- इंडस्ट्रियल सेंटर में ग्लासवेयर फैक्ट्री में आगजनी की घटना का जायजा लेने के बाद श्रम मंत्री अनिल विज दिए निर्देश

अंबाला। परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेल्पमेंट (एचएसआईआईडीसी) के एमडी को साहा इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर में तुरंत प्रभाव से फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी खड़ी करने के दिशा-निर्देश दिए हैं। विज शनिवार को साहा इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर स्थित ग्लासवेयर फैक्टरी में कल लगी आग की घटना का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे। यहां उन्हें इंडस्ट्रियल एरिया में कोई फायर ब्रिगेड गाड़ी की तैनाती नहीं होने की जानकारी मिली थी। विज ने एचएसआईआईडीसी के एमडी से कहा कि "यहां तुरंत प्रभाव से कहीं से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ी लाकर खड़ी की जाए ताकि आपात समय में तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गाड़ी में पानी भरने के लिए पानी का बोर भी करवाया जाए। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि साहा इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर में 300 के लगभग यूनिट हैं। काफी लेबर काम करती है। यहां कल एक फैक्टरी में आग लग गई थी। उन्होंने आज देखा व पाया कि फैक्टरी पूरी तरह से जल चुकी है। उनकी जानकारी में आया है कि यहां पर फायर ब्रिगेड नहीं है। उन्होंने इस मामले में एमडी से बात की है ताकि यहां पर फायर ब्रिगेड खड़ी की जाए। पानी के लिए बोर करवाया जाए।

भ्रूणलिंग जांच गिरोह मामले में 4 लोग दोषी करार

डॉक्टर कौशल और संदीप को तीन-तीन वर्ष कैद की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

कुरुक्षेत्र में भ्रूण लिंग जांच से जुड़े 2017 के एक मामले में अदालत ने चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

यह कार्रवाई हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की कुरुक्षेत्र टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश के बिजनौर में छापेमारी कर की थी, जिसमें लिंग जांच गिरोह का भंडाफोड़ हुआ था।पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. रमेश सभरवाल के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कुल आठ लोगों को पकड़ा गया था, जिन पर लिंग जांच कराने और करवाने का आरोप था। सुनवाई के बाद अदालत ने चार आरोपियों को दोषी ठहराया। इनमें डॉक्टर कौशल और संदीप को तीन-तीन वर्ष की कैद तथा महिला रेखा और उसके पति रिंकू को एक-एक वर्ष की सजा सुनाई गई है।जांच में सामने आया कि संदीप मरीजों को बिजनौर ले जाता था, जहां डॉक्टर कौशल अल्ट्रासाउंड कर भ्रूण का लिंग बताता था। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 25 गवाह पेश किए गए, जिनकी गवाही के आधार पर अदालत ने फैसला दिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इसे कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई पर सख्त कार्रवाई बताते हुए कहा कि आगे भी ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

मंदिर में चाकू लेकर घुसा युवक मूर्तियां तोड़ने का किया प्रयास

अंबाला। सेक्टर-8 स्थित कृष्ण कृपा गीता धाम मंदिर में एक युवक ने हाथ में चाकू दिखाकर हंगामा किया। आरोपी ने मंदिर में लगी भगवान की तस्वीरों को चाकू से फाड़ दिया। हॉल का गेट तोड़ने का भी प्रयास किया। जब पुजारी अभिषेक ने रोकने का प्रयास किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी। 10 जून की रात को हुई यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। सेक्टर-9 थाना पुलिस ने आरोपी सेक्टर-10 के हरिद्र धमीजा के खिलाफ केस दर्ज किया है। इंस्पेक्टर जितेंद्र का कहना है कि मंदिर में चाकू लेकर हंगामा करने वाले को पुलिस ने काबू कर लिया है। सेक्टर-8 स्थित कृष्ण कृपा गीता धाम मंदिर के पुजारी अभिषेक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात करीब 9 बजे वह मंदिर में मौजूद थे कि इस दौरान एक व्यक्ति सीधा मंदिर के भीतर घुस आया। पूछने पर सेक्टर-10 के हरिद्र धमीजा ने बताया था कि वह मंदिर में पूजा करने आया है। जैसे ही वह मूर्तियों के पास पहुंचा तो चाकू निकालकर लहराने लगा। रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने उन्हें ही चाकू दिखाकर डराना शुरू कर दिया।

- सेक्टर-8 स्थित कृष्ण कृपा गीता धाम मंदिर में युवक ने चाकू लहराकर हंगामा किया

बारिश होते ही किसानों ने रादौर में शुरू की अगेती धान की रोपाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर। धान की रोपाई करते हुए प्रवासी मजदूर। फोटो: हरिभूमि

रादौर क्षेत्र में बारिश के बाद किसानों ने अगेती किस्म की धान की रोपाई युद्धस्तर पर शुरू कर दी है। जिले के विभिन्न गांवों में किसान 1509, 1492 और मुच्छल जैसी बारीक किस्मों की धान को प्राथमिकता दे रहे हैं। हाल ही में हुई अच्छी बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई है, जिससे रोपाई कार्य को गति मिली है।किसानों का कहना है कि धान रोपाई के लिए उन्हें स्थानीय मजदूर नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में बिहार समेत अन्य राज्यों से आए प्रवासी मजदूरों की टीमों ने गांवों में डेरा डाल लिया है और रोपाई का कार्य संभाल लिया है। इससे किसानों को बड़ी राहत मिली है और समय पर रोपाई संभव हो पा रही है।किसान सुखबीर सिंह, राजू, धर्मबीर, संदीप, बिंदर सैनी, सुरेश और कर्ण ने बताया कि इस बार अगेती धान की खेती का रकबा बढ़ा है। उनका मानना है कि यदि मौसम अनुकूल रहा और समय-समय पर बारिश होती रही तो अगेती धान की फसल से अच्छी पैदावार मिलने की उम्मीद है। किसानों ने कहा कि बेहतर उत्पादन से उनकी आय में भी बढ़ोतरी होगी।

लग्जरी होटल में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, सात लोग हिरासत में

- होटल संचालक और मैनेजर की संलिप्तता सामने आई, प्रति ग्राहक एक हजार रुपये वसूली करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

असंध क्षेत्र में जींद रोड स्थित होटल लग्जरी में कथित सेक्स रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि होटल में देह व्यापार का अवैध धंधा चल रहा है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक व्यक्ति को बोगस ग्राहक बनाकर होटल भेजा, जहां उससे एक हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाकर उसे पहली मंजिल पर भेज दिया गया। संकेत मिलते ही पीएसआई संदीप के नेतृत्व में पुलिस टीम ने होटल पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान चार युवतियां और तीन युवक कमरों से हिरासत में लिए गए। रिसेप्शन पर मौजूद दो युवकों ने अपनी पहचान मंजीत कुमार और राहुल के रूप में बताई। प्रारंभिक जांच में होटल संचालक और मैनेजर की संलिप्तता सामने आई है।डीएसपी गोरखपाल राणा के अनुसार, गोहाना के रूखी निवासी रामबीर ने होटल किराये पर लिया हुआ था, जबकि हाट और बागडू निवासी मंजीत और राहुल मैनेजर के तौर पर कार्यरत थे। आरोप है कि ये लोग ग्राहकों को महिलाओं से मिलवाते थे और प्रति ग्राहक एक हजार रुपये वसूलते थे, जिसमें 500 रुपये महिलाओं को दिए जाते थे।

फर्जी दस्तावेज दिखाकर जमीन सौदे में एक करोड़ से अधिक की ठगी

- फर्जी इकरारनामा दिखाकर रुपये लिए गए और बाद में वही जमीन अन्य को बेच दी गई
- सौदे के बाद दिए गए चेक भी बाउंस हो गए और पैसे वापस नहीं किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल के असंध क्षेत्र के गांव जयसिंहपुरा में जमीन के सौदे के नाम पर एक बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। गांव निवासी महाबीर ने आरोप लगाया है कि अलावला निवासी शोभा सिंह ने फर्जी इकरारनामा दिखाकर उनसे एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि हड़प ली और बाद में वही जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी।शिकायत के अनुसार, 9 अक्टूबर 2025 को 48 कनाल 1 मरला जमीन का सौदा 93 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से तय हुआ था। इस सौदे में मध्यस्थ के रूप में रवि और कमलजीत शामिल थे। आरोप है कि सौदे के दौरान 40 लाख रुपये नकद, 8 लाख रुपये आरटीजीएस और 45 लाख रुपये का चेक दिया गया था, जबकि शेष राशि बाद में देने की बात तय हुई थी।पीड़ित का कहना है कि बाद में पता चला कि दिखाया गया इकरारनामा फर्जी था और जमीन मालिकों के साथ कोई वैध दस्तावेज नहीं बने थे। इसके बाद आरोपियों ने सौदा वापस करने की बात कही और 23 लाख रुपये की रसीद बनाकर कुछ राशि लौटाने का आश्वासन दिया, लेकिन पूरा भुगतान नहीं किया गया।बाद में यह भी सामने आया कि उक्त जमीन 28 अक्टूबर को ही किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, पैसे लौटाने के लिए दिया गया चेक भी बैंक में बाउंस हो गया। समझौते के बावजूद भुगतान न होने पर मामला पुलिस तक पहुंचा।थाना असंध पुलिस ने शिकायत के आधार पर अलावला निवासी शोभा सिंह के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। जांच सब इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार को सौंपी गई है और पुलिस दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

नकली इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने पर दो दुकानदारों पर केस

यमुनानगर। नकली अकाई एलईडी टीवी और ऑडियोटोन स्पीकर कोइल बेचने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जगाधरी बस स्टैंड स्थित नंदिनी इलेक्ट्रॉनिक्स और स्कूल रोड स्थित राजू इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों पर छापेमारी की, जिसमें नकली कंपनी का सामान बरामद हुआ। आशापुरा बांदीकुई निवासी मुकेश कुमार ने शहर जगाधरी पुलिस को शिकायत दी थी कि दोनों दुकानों पर लंबे समय से नकली इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचा जा रहा है। सूचना के बाद 12 जून को की गई जांच में आरोप सही पाए गए।

पूछताछ के दौरान दुकानदार प्रवीण कुमार और संचित कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और कॉपीराइट एक्ट 63 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। पुलिस का कहना है आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने दी जानकारी

रेणुका डैम से प्रदेश को मिलेगा अतिरिक्त पानी

- आदिबद्री डैम और प्रस्तावित बैराज परियोजनाएं टेंडर प्रक्रिया के अंतिम चरण में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। रेणूका डैम परियोजना स्थल पर अधिकारियों के साथ जानकारी देते हुए सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच। फोटो: हरिभूमि

सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड हरियाणा के डिप्टी चेयरमैन धुमन सिंह किरमच ने कहा कि गिरि नदी पर निर्माणाधीन रेणुका डैम परियोजना का कार्य पीएम मोदी तथा सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व एवं हिमाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर हरियाणा को भी जल उपलब्धता में महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। जिससे प्रदेश के किसानों और आम नागरिकों को दीर्घकालिक फायदा होगा। उन्होंने उक्त जानकारी बोर्ड के अधिकारियों व रेणुका डैम परियोजना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद दी। बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तावित आदिबद्री डैम परियोजना से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। धूमन सिंह किरमच ने बताया कि बैठक में एचपीपीसीएल के महाप्रबंधक अनूप कुमार शर्मा समेत अन्य अधिकारियों ने बताया कि आदिबद्री डैम परियोजना के साथ साथ प्रस्तावित बैराज निर्माण कार्य को भी शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में दोनों परियोजनाएं टेंडर प्रक्रिया के अंतिम चरण में हैं। शीघ्र ही इनके निर्माण कार्य को गति मिलने की संभावना है। डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सरस्वती नदी पुनर्जीवन एवं जल संरक्षण से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। सरस्वती नदी परियोजना प्रदेश के किसानों के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। जिससे भविष्य में सिंचाई के लिए जल उपलब्धता बढ़ेगी तथा भूजल स्तर सुधारने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के जल संसाधनों को मजबूत बनाने तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार इस महत्वाकांक्षी परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

तीन युवकों की हत्या करने का आरोपी पकड़ा

- पुलिस ने दस दिन के रिमांड पर लिया, आठ आरोपी फरार, तलाश में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के गांव डिकाडला निवासी तीन दोस्तों जीतेंद्र, विनोद, अनिप निवासी गांव डिकाडला की स्कॉर्पियो से कुचलकर हत्या करने के आरोपी मनीष को सीआईए वन पुलिस ने समालखा क्षेत्र में पट्टीकल्याणा रोड से गिरफ्तार किया। डीएसपी सतीश वत्स ने बताया की पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सीआईए वन टीम को जांच सौंपी थी। पुलिस टीम ने अपने सभी सोर्स एक्टिव कर मनीष को पकड़ है। पुलिस ने शनिवार को मनीष को कोर्ट में पेश कर दस दिन के रिमांड पर लिया है। मनीष से रिमांड के दौरान तिहरे हत्याकांड में नामजद आठ फरार आरोपियों संदीप, रविंद्र, नवीन, तुषार, सचिन, नीरज, राजबीर निवासी गांव डिकाडला व सूरज निवासी गांव आट्टा के ठीकानों को पता लगा काबू करने का प्रयास करेगी।

स्मरणीय है कि तिहरे हत्याकांड में वीरेंद्र पुत्र फतेह सिंह निवासी गांव डिकाडला की शिकायत पर केस दर्ज है। इधर, पुलिस ने हत्या में प्रयोग की गई स्कार्पियों गाड़ी बरामद की है और उसे केस की जांच के लिए इंपाउंड कर लिया है। पुलिस का कहना है आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

खबर संक्षेप

जिले में 1,422 लोगों ने किया योगाभ्यास

करनाल। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. सतपाल ने बताया कि भारत सरकार तथा हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। आयुष विभाग करनाल के योग विशेषज्ञ एवं हरियाणा योग आयोग करनाल के नोडल अधिकारी डॉ. अमित पुंज ने बताया कि 13 जून को जिले के सभी ब्लॉकों में अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल के तहत आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न स्थानों पर आयोजित इन कार्यक्रमों में सरपंच, पंच, ग्रामवासी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित कुल 1,422 लोगों ने भाग लिया।

कैंसर के आधुनिक उपचार से बढ़ रही मरीजों की उम्मीदें

करनाल। कैंसर को लेकर समाज में आज भी भय और भ्रांतियां बनी हुई हैं, लेकिन चिकित्सा विज्ञान में हो रही प्रगति ने इस बीमारी के उपचार को नई दिशा दी है। अब कैंसर के उपचार में एक ही तरीका सभी पर लागू की सोच बदल रही है और मरीज के कैंसर की प्रकृति के अनुसार उपचार तय किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर जांच, जागरूकता और आधुनिक उपचार तकनीकों की उपलब्धता से कैंसर मरीजों के बेहतर परिणाम संभव हो रहे हैं। अस्पताल में ओपीडी के दौरान मेदांता गुरुग्राम के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर डिरेक्टर डॉ. कुंजहरी मेधी तथा रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर कंसलटेंट डॉ. मयूर मयंक ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रिसिजन मेडिसिन, इम्यूनोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और आधुनिक रेडिएशन तकनीकों ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा की हैं।

शेखपुरा खालसा में पौधरोपण कार्यक्रम

घरौंडा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए अधिकाधिक संख्या में पौधे लगाना जरूरी है। पेड़ हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन देते हैं। पौधारोपण के बाद उनका संरक्षण भी उतना ही जरूरी है। श्री कल्याण आज घरौंडा क्षेत्र के गांव शेखपुरा खालसा में केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष और अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण किया। करीब 150 फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। श्री कल्याण ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण जरूरी है। केंद्र सरकार के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उद्देश्य भी मां और मातृभूमि के प्रति सम्मान प्रकट करना है।

महाराणा प्रताप जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

पौधरोपण के साथ संरक्षण भी महत्वपूर्ण : हरविन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए अधिकाधिक संख्या में पौधे लगाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि पेड़-पौधे ही हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

■ लगाए गए 150 फलदार एवं छायादार पौधे

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण शनिवार को घरौंडा क्षेत्र के गांव शेखपुरा खालसा में केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष एवं अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान करीब 150 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाया जा रहा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान मां और मातृभूमि के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक सार्थक प्रयास है। जिस प्रकार मां अपने बच्चों का पालन-पोषण कर उन्हें जीवन प्रदान करती है, उसी प्रकार पौधों की देखभाल करना भी प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। वृक्ष बनने के बाद यही पौधे हमें पर्याप्त ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं।कल्याण ने लोगों से आह्वान किया कि वे क्षेत्र के विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से आगे आएं तथा पौधारोपण अभियान को जन आंदोलन का रूप दें।इस अवसर पर मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, पूर्व चेयरमैन कुलदीप सिंह, पुरुषोत्तम सेठी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

करनाल। महाराणा प्रताप जयंती पर कार्यक्रम में संबोधित करते हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण।

इन्होंने किया पौधरोपण

इससे पूर्व घरौंडा के एसडीएम राजेश कुमार सोनी, वन मंडल अधिकारी नवल किशोर, डीएसपी मनोज कुमार, बीडीपीओ सोमवीर खटकड़ तथा नायब तहसीलदार अरविंद यादव ने भी पौधारोपण किया। सरपंच हंसवीर घणघस ने कार्यक्रम में पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने दिखाई सामाजिक जिम्मेदारी

■ महाराणा प्रताप जयंती पर रक्तदान शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

शौर्य, साहस और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर जागो जगाओ यूनिवर्सल ट्रस्ट द्वारा जिला नागरिक अस्पताल, करनाल में 9वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों एवं विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान कर मानवता सेवा की मिसाल कायम की। ट्रस्ट के संयोजक रणधीर सिंह ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जिसके माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शौर्य, साहस और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक महाराणा प्रताप के आदर्श हमें राष्ट्रहित और समाज हित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जुड़ना चाहिए तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। जिला नागरिक अस्पताल करनाल के ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. संजय वर्मा ने कहा कि दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों और आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता पड़ती है तथा रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है। रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा भविष्य में भी नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

करनाल। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते अतिथि एवं चिकित्सा अधिकारी।

नवविवाहिता ने पूर्व प्रेमी पर ब्लैकमेलिंग का लगाया आरोप

■ आपत्तिजनक वीडियो के जरिए परेशान करने और पति का पीछा करने की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल जिले के मूनक थाना क्षेत्र की एक नवविवाहिता ने अपने पूर्व प्रेमी पर शादी के बाद दोबारा ब्लैकमेल करने, पीछा करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शादी से पहले उसकी गांव के एक युवक से बातचीत होती थी। आरोप है कि युवक उसे बहला-फुसलाकर सफीदों के एक होटल में ले गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती की गई और आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बना लिए गए। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसे नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म किया और बाद में वीडियो व फोटो के आधार पर उसे ब्लैकमेल करता रहा। एक बार आरोपी अपने साथियों के साथ उसे गाड़ी में बैठाकर भी ले गया था। पीड़िता के अनुसार, जब यह मामला दोनों परिवारों तक पहुंचा तो आरोपी और उसके परिजनों ने माफी मांगते हुए भरोसा दिलाया कि सभी वीडियो और फोटो डिलीट कर दिए गए हैं। इसी कारण उस समय पुलिस में शिकायत नहीं दी गई। शादी के कुछ समय बाद आरोपी ने नए इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर उसे और उसके पति को संदेश भेजने शुरू कर दिए। वह पुराने वीडियो के नाम पर दोबारा ब्लैकमेल करने लगा और मानसिक रूप से परेशान करने लगा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी, उसका रिश्तेदार और उसका एक दोस्त उसके पति का पीछा करते हैं। साथ ही ससुराल के आसपास घूमकर परिवार को डराने का प्रयास करते हैं।

एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाना

■ मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौण्डा

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचक पंजीयन अधिकारी 22-घरौण्डा विधानसभा क्षेत्र एवं एसडीएम राजेश कुमार सोनी की अध्यक्षता में राजकीय मॉडल सीनियर सकेण्डरी स्कूल, घरौण्डा में दूसरी बार एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी, अतिरिक्त सहायक पंजीयन अधिकारी, निर्वाचक घरौण्डा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कार्यरत सभी 28 सुपरवाईजरों तथा 250 बीएलओज को प्रशिक्षण दिया गया। निर्वाचक पंजीयन अधिकारी राजेश कुमार सोनी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम बारे जानकारी दी तथा इस कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य को बड़ी गम्भीरता से किया जाये व गणना फार्म का शत प्रतिशत सत्यापन घर-घर जाकर किया जाये। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना तथा मृत, स्थानांतरित अथवा डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाकर वास्तविक मतदाताओं का सही रिकॉर्ड तैयार करना है।

विधायक रामकुमार कश्यप ने एसटीपी पार्क में किया पौधरोपण

■ सरकार के 12 वर्षों वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने सरकार के 12 वर्षों वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे कार्यक्रमों के तहत जन स्वास्थ्य विभाग के एसटीपी पार्क में पौधारोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम में आम, आंवला, रीठा, अमरूद, मोलश्री, बोतल ब्रश, जामुन सहित अन्य फलदार, छायादार व औषधीय पौधे लगाए गए। विधायक ने कहा कि वर्तमान सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में सरकार के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए 20 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। पर्यावरण असंतुलन तथा प्रदूषण की समस्या वर्तमान समय की बड़ी चुनौतियों में से एक है।

इंद्री। एसटीपी पार्क में पौधरोपण करते विधायक रामकुमार कश्यप ।

श्री घंटाकर्ण महावीर देवस्थान में होगा विशेष भक्तिमय आयोजन

करनाल। करनाल-इन्द्री रोड स्थित मनोकामनापूरक संकटमोचक श्री घंटाकर्ण महावीर देवस्थान पर प्रत्येक माह कृष्ण पक्ष की चौदस को आयोजित होने वाले कृपा दिवस के अंतर्गत रविवार, 14 जून को विशेष मासिक श्रद्धालु संगम का आयोजन किया जाएगा।

यह भक्तिमय कार्यक्रम शांतमूर्ति महासाध्वी श्री प्रमिला जी महाराज एवं परम पुरुषार्थी साध्वी श्री जागृति जी महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा।

श्री घंटाकर्ण महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के शासनरक्षक देव माने जाते हैं तथा तंत्र-मंत्र एवं यंत्र साधना को सफल करने वाले अलौकिक शक्तिसम्पन्न देव के रूप में श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। मंदिर प्रातः 6 बजे से शाम 7:15 बजे तक दर्शनार्थ खुला रहेगा।

इ्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : डीसी

नीट-2026 परीक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क

■ जिले में 8 केंद्र बनाए , जहां कुल 2708 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

नीट-2026 परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करें, क्योंकि यह विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है।

शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-2026 परीक्षा को लेकर देशभर की निगाहें प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर होंगी। ऐसे में करनाल जिला में किसी प्रकार की लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने बताया कि जिले में परीक्षा के लिए 8 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 2708 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बैठक से पूर्व मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला उपायुक्तों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान एनटीए के प्रतिनिधि अभिषेक ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से परीक्षा संचालन से संबंधित दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी।

वीसी के उपरांत डीसी ने सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेटों को परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय, रैम्प तथा व्हील चेयर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए पार्किंग एवं ट्रैफिक प्रबंधन की समुचित व्यवस्था भी की जाए।

करनाल। नीट-2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा।

न्यूज डायरी

शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर विद्यालयों का निरीक्षण

करनाल। शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विजय दहिया तथा मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के दिशा-निर्देशन में संयुक्त राज्य परियोजना निदेशक डॉ. मयंक वर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा के साथ जिले के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नीलोखेड़ी तथा मुख्यमंत्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शेखपुरा सुहाना का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, शैक्षणिक गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं का बारीकी से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ. मयंक वर्मा ने शिक्षा मंत्री के निर्देशानुसार शिक्षा सुधार के विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं, स्टाफ एवं विद्यार्थियों की संख्या, बोर्ड कक्षाओं के परीक्षा परिणाम, मिड-डे मील व्यवस्था, स्वच्छता, शौचालयों, कंप्यूटर लैब, अटल टिंकरिंग लैब तथा विज्ञान प्रयोगशालाओं का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

उषा प्रियदर्शी के नेतृत्व पर जताया विश्वास

करनाल। करनाल की महापौर रेणु बाला गुप्ता ने हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नियुक्त होने पर उषा प्रियदर्शी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति महिला सशक्तिकरण तथा महिला हितों की रक्षा के प्रति हरियाणा सरकार की प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि उषा प्रियदर्शी के कुशल नेतृत्व, प्रशासनिक अनुभव और समाज सेवा के प्रति समर्पण से प्रदेश में महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण, नारी सम्मान तथा सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि महिला आयोग समाज में महिलाओं की आवाज को सशक्त बनाने और उन्हें न्याय दिलाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है।

दृषद्वती नदी के संरक्षण की दिशा में पहल

नीलोखेड़ी/करनाल। प्राचीन सरस्वती नदी के पुनर्जीवन अभियान में जुटा हरियाणा सरस्वती विरासत विकास बोर्ड अब शास्त्रों में सरस्वती की प्रमुख सहयोगी नदी के रूप में वर्णित दृषद्वती के अवशेषों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी कार्य करेगा। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निमंत्रण पर हरियाणा सरस्वती विरासत विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमच ने संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान के साथ प्राचीन दृषद्वती के वर्तमान स्वरूप मानी जाने वाली चौतांग (चतंग/चेतंग) नदी के विभिन्न स्थलों का दौरा किया। हिमालय क्षेत्र से निकलने वाली यह बरसाती नदी करनाल जिले के नीलोखेड़ी, तरावड़ी और निसिंग क्षेत्रों से होकर गुजरती रही है। दल ने इन्द्री क्षेत्र के कलसी गांव में स्थित उस स्थान का भी निरीक्षण किया, जिसे स्थानीय परंपराओं में राक्षी और दृषद्वती के संगम स्थल के रूप में जाना जाता है। निरीक्षण के बाद धुम्मन सिंह किरमच और डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीण लोककथाओं और ऐतिहासिक संदर्भों में चौतांग, चतंग अथवा चेतंग नाम से विद्यमान यह बरसाती धारा वस्तुतः प्राचीन दृषद्वती नदी का ही अवशेष स्वरूप प्रतीत होती है।

घरौंडा में जनसुनवाई कार्यक्रम

घरौंडा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज जन सुनवाई के नियमित कार्यक्रम के तहत घरौंडा के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए।अधिकतर समस्याएं रास्ते व चौपालों का निर्माण कराने, बिजली की तारें ऊपर उठवाने, तालाबों से गंदे पानी की निकासी आदि से संबंधित थीं। आज बड़ी संख्या में घरौंडा क्षेत्र व बाहर से लोग समस्याओं व मांगों को लेकर रेस्ट हाउस पहुंचे। श्री कल्याण ने तीन घंटे से अधिक समय तक लोगों की समस्याओं को सुना। इनमें कुछ समस्याएं निजी तो कुछ सामूहिक एवं विकास कार्यों से जुड़ी थीं। विधानसभा अध्यक्ष का हर कार्यक्रम में अधिकाधिक समस्याओं के निदान का प्रयास रहता है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विकास संबंधी कामों को भी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका पूरा प्रयास है कि जनहित से जुड़ी हर जायज मांग को पूरा किया जाए। लोगों को छोटी-मोटी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर चक्कर न काटने पड़ें। इस मौके पर हसनपुर के लोगों ने गोवर्धन प्लांट प्रोजेक्ट के कार्य को पूरा कराने, सामान्य वर्ग की चौपाल का कार्य शुरू करवाने, फुरलक वासियों ने सैनी चौपाल, पंचायत घर, खेल ग्राउंड, जोहड़ का नवीनीकरण, 100 वर्ग गज के प्लॉटों से रिफाइनरी की पाइप लाइन गुजरने के कारण निर्माण न होने की समस्या के समाधान की मांग की। इसी प्रकार ग्रामीणों ने दीक्षित अवार्ड के तहत मंगलौरा में उत्तर प्रदेश से तब्दील हुई जमीन का रिकॉर्ड हरियाणा में दर्ज करवाने, अलीपुर खालसा सड़क से 220 केवी की तारें ऊपर उठवाने की मांग की ताकि बड़े वाहनों के आवागमन में कोई समस्या न आए।

बरसात से पहले नालों की सफाई पूरी करने के निर्देश

करनाल। बरसाती सीजन को देखते हुए जिला प्रशासन ने शहर में जलभराव की संभावनाओं से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने शनिवार को करनाल शहर में चल रहे नालों की सफाई कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात शुरू होने से पहले सभी नालों की सफाई का कार्य 30 जून तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने अपने दौरे के दौरान सबसे पहले मुगल कैनाल का निरीक्षण किया और वहां चल रहे सफाई कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि मुगल कैनाल की सफाई का कार्य आगामी एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। डीसी ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा किया जाए ताकि बरसात के दौरान शहरवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इसके बाद डीसी ने रामनगर नाले का निरीक्षण किया।

सड़क निर्माण में देरी पर डीसी सख्त

करनाल। शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों में अनावश्यक देरी पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने शनिवार को सामुदायिक केंद्र सेक्टर-9 से लेकर नूर महल चौक होते हुए मेरठ रोड तक बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समयावधि में कार्य पूरा होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने पाया कि 792 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य की गति संतोषजनक नहीं है। इस पर उन्होंने संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों को फटकार लगाई तथा निर्देश दिए कि इस कार्य को आगामी एक माह के भीतर पूरा किया जाए। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने और उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाने के निर्देश भी दिए।

प्रेस वार्ता के दौरान शिक्षा मंत्री ने गिनवाई केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां

देश में सुशासन की मिसाल बना हरियाणा: महिपाल ढांडा

पूर्व सीएम मनोहर की पारदर्शी व्यवस्था व सीएम सैनी के नेतृत्व में सूबे के विकास को मिली नई गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष और हरियाणा में पिछले साढ़े 11 वर्षों का कार्यकाल विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण का स्वर्णिम काल रहा है। सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। आज देश और प्रदेश विकास के नए मानदंड स्थापित कर रहे हैं। यह बात हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शनिवार को केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्थानीय लोक निर्माण विश्रामगृह में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। सम्मेलन में पहुंचने पर उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने शिक्षा मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था की मजबूत नींव रखी, जबकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उस व्यवस्था को और अधिक जनहितैषी, संवेदनशील तथा प्रभावी बनाते हुए विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल है जहां विकास योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। महिपाल ढांडा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, खेल, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास और आधारभूत ढांचे के निर्माण जैसे सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, डिजिटल सेवाओं के विस्तार और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण के कारण जनता का विश्वास शासन व्यवस्था में और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल योजनाएं बनाना नहीं बल्कि उन्हें धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करना है।

पानीपत। में प्रेस वार्ता करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट व डीसी डॉ हरीश वशिष्ठ।

प्रक्रियाओं को बनाया पारदर्शी

कैबिनेट मंत्री ढांडा ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लगातार बढ़ाए गए हैं। भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है, जिससे योग्य युवाओं को बिना किसी सिफारिश और बिना किसी अतिरिक्त खर्च के अवसर प्राप्त हुए हैं। कौशल विकास, रोजगारोन्मुखी शिक्षा और उद्योगों में निवेश बढ़ाकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए गए हैं। शिक्षा मंत्री ने शिक्षा क्षेत्र में हुए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है। आधुनिक शिक्षा, डिजिटल तकनीक, स्मार्ट कक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों को नई दिशा प्रदान की है। मेधावी विद्यार्थियों को आईआईटी, नीट और अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार से प्रदेश के विद्यार्थियों को अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिले हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की चर्चा करते हुए मंत्री ढांडा ने कहा कि सरकार ने आम नागरिक को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किया है। मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य संस्थानों का विस्तार किया गया है। गरीब और जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। कृषि क्षेत्र में हुए कार्यों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने, फसल खरीद प्रक्रिया को सरल बनाने तथा भुगतान व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की दिशा में सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।

महिला सशक्तिकरण और खेलों में उपलब्धियां

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, श्रमिकों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए भी सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। खेलों के क्षेत्र में हरियाणा की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं, आर्थिक सहायता और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यही कारण है कि आज हरियाणा खेल प्रतिभाओं की सबसे मजबूत भूमि बनकर उभरा है।

औद्योगिक विकास और कानून व्यवस्था

औद्योगिक विकास और निवेश के संबंध में मंत्री ढांडा ने कहा कि हरियाणा निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। नई औद्योगिक नीतियों, बेहतर आधारभूत ढांचे और सरल प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण प्रदेश में बड़े स्तर पर निवेश आ रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। एमएसएमई क्षेत्र को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कानून व्यवस्था पर बोलते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज स्थापित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अवैध रूप से कॉलोनियां विकसित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

आधारभूत सुविधाओं में व्यापक परिवर्तन

शिक्षा मंत्री ढांडा ने कहा कि आज हरियाणा में बिजली, सडक, पेयजल, परिवहन, डिजिटल सेवाओं और अन्य आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। प्रदेश के गांवों और शहरों में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सरकार का उद्देश्य ऐसा हरियाणा बनाना है जहां विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंचे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानकर कार्य कर रही हैं।

मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती का आधार: डॉ. हरीश

- अधिकारी पूरी जिम्मेदारी से निभाएं अपनी भूमिका, विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर निर्वाचन अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जिला सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक महत्वपूर्ण वीडियो कॉन्फ्रेंस एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईआरओ), निर्वाचन तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जूनियर प्रोग्रामर तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान को प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से लागू करना तथा मतदाता सूची के पुनरीक्षण संबंधी नवीन दिशा-निर्देशों की जानकारी देना था। प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं, पात्र मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची के सत्यापन, त्रुटियों के सुधार, स्थानांतरित अथवा अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने तथा तकनीकी व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में अधिकारियों को बताया गया कि मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करना आवश्यक है।

निर्वाचन सुधार प्रक्रिया

निर्वाचन आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न रहे। इसके लिए फील्ड स्तर पर विशेष सावधानी बरतने और निर्धारित समयावधि में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. हरीश वशिष्ठ ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना निर्वाचन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

लोगों से मांगा सहयोग

डॉ. वशिष्ठ ने कहा कि एक सटीक और अद्यतन मतदाता सूची ही निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनावों की आधारशिला होती है। इसलिए प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी की जिम्मेदारी है कि वह इस कार्य को मिशन मोड में पूरा करे, ताकि जिले का कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती केवल मतदान से नहीं, बल्कि शुद्ध एवं विश्वसनीय मतदाता सूची से भी सुनिश्चित होती है। उन्होंने जिले के नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि वे मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग करें तथा अपने विवरणों का सत्यापन कराकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में भागीदार बनें।

खबर संक्षेप

पानीपत। श्री सनातन धर्म मंदिर समिति के अध्यक्ष तरूण गांधी संबोधन करते हुए।

पुरूषोत्तम मास में शनि का प्रकोप भी बेअसर

पानीपत। श्री सनातन धर्म मंदिर सभा मॉडल टाउन में चल रही पुरुषोत्तम मास मलमास कथा के 28वें दिन कथावाचक पंडित बृजकिशोर शास्त्री ने बताया कि सूर्य पुत्र शनिदेव को ब्रह्मांड में न्याय और कर्मफल देने का अधिकार प्राप्त है। चाहे देवता हों, मनुष्य हों या स्वयं समय महीने व वर्ष शनिदेव की वक्र दृष्टि से कोई नहीं बच सकता। जब भगवान श्रीकृष्ण ने मलमास को अपना नाम देकर उसे पुरुषोत्तम मास बना दिया तब शनिदेव के मन में एक शंका और कौतूहल जागा की मैं कालचक्र का न्यायाधीश हूं। यह मलमास जो कभी अपवित्र और त्याज्य था वह अचानक इतना शक्तिशाली कैसे हो गया कि मेरे न्याय की परिधि से बाहर दिखने लगा। मुझे इसकी परीक्षा लेनी होगी। शनिदेव ने पुरुषोत्तम मास की अवधि में पृथ्वी लोक पर पैर रखा तो उन्होंने एक अत्यंत विस्मयकारी दृश्य देखा।

हरियाणा भवन के पीआरओ को मातृ शोक

पानीपत। हरियाणा भवन नई दिल्ली के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मनोज कौशिक की माता 80 वर्षीय कमला देवी का बारह जून को हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया था। जिनका अंतिम संस्कार गांव निजामपुर में गमगीन माहौल के बीच किया गया। जिसमें जिला के अलावा अन्य जगहों से भी गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया व दिंवगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

नकदी ठगी के तीन आरोपी पकड़े

पानीपत। पानीपत में किला थाना क्षेत्र में व्यापारियों से संगठित रूप से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। इस गिरोह द्वारा पानीपत के एक कंबल व्यवसायी के साथ की गई 3.68 लाख से अधिक की ठगी के मामले में पुलिस ने आरोपियों राहुल कुमार, दीपक कपूर, भीष्म को पानीपत जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया था।

पानीपत। कथा वाचक पंडित लालमणि पांडेय का स्वागत करते हुए श्रद्धालु।

सद्भावना का संदेश देती है श्रीमद् भागवत कथा: पांडे

पानीपत। प्राचीन श्री देवी मंदिर में बंसल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास आचार्य लालमणि पांडे ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने पुतना मोक्ष, संकटासुर और तृणावर्त वध की कथाओं के माध्यम से भगवान की करुणा, भक्तवत्सलता और दुष्टों के उद्धार का संदेश दिया। रासलीला का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा का निष्काम प्रेम संपूर्ण मानवता के लिए आदर्श है। आचार्य ने सत्संग, भजन कीर्तन और नाम स्मरण को कलियुग में मोक्ष प्राप्ति का सबसे सरल मार्ग बताते हुए श्रद्धालुओं से भगवान की भक्ति को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महावीर बंसल, धनराज बंसल,मुकेश बंसल,शिव कुमार,राम विलास, वृंदावन ट्रस्ट के प्रधान राकेश बंसल आदि रहे।

जन समस्याओं के हल में अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी

- शिकायतों का समाधान नहीं करने वालों पर होगी कार्रवाई: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

मुख्यमंत्री शिकायत निवारण प्रणाली (सीएम विंडो) पर लंबित शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण को लेकर उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ ने जिला सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई समीक्षा के बाद उपायुक्त ने विभिन्न विभागों की लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त डॉ. वशिष्ठ ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री शिकायत निवारण प्रणाली आमजन की समस्याओं के समाधान का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सोमवार तक अपने-अपने विभागों से संबंधित सभी लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें तथा शिकायतकर्ता को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराएं। उपायुक्त ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को विभागवार लंबित मामलों की जानकारी देते हुए उनके निस्तारण में आ रही बाधाओं के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन विभागों द्वारा निर्धारित समयावधि में शिकायतों का समाधान कर दिया जाएगा, उन्हें अगली समीक्षा बैठक में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी।

पानीपत। उपायुक्त डॉ हरीश वशिष्ठ, अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए।

समयबद्ध शिकायत समाधान पर दिया जोर

जिन विभागों में अनावश्यक रूप से लंबित मामले पाए जाएंगे, उनकी जवाबदेही भी तय की जाएगी। डीसी डॉ वशिष्ठ ने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान सुशासन की पहचान है। प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि किसी भी शिकायत को केवल औपचारिकता के रूप में न लिया जाए, बल्कि उसका गुणवत्तापूर्ण और स्थायी समाधान किया जाए। शिकायतों का निस्तारण प्रशासन की संवेदनशीलता और कार्यकुशलता का प्रत्यक्ष प्रमाण होता है। सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को त्वरित न्याय और राहत उपलब्ध कराना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने समीक्षा बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के मामले पर भी संज्ञान लेते हुए कहा कि सरकारी कार्यों के प्रति उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

बाल श्रम निषेध जागरूकता रैली निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर बाल अधिकार सुरक्षा समिति सदस्यों एवं बच्चों द्वारा ज्योति कॉलोनी वार्ड में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान लोगों को दुकानदारों को एवं लघु उद्योग के मालिकों को बाल श्रम निषेध दिवस के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों द्वारा बाल श्रम निषेध विषय पर विशेष संदेश पट्टी के माध्यम से बाल श्रम से संबंधित बाल तस्करी, भिक्षावृत्ति, दुकानों, फैक्ट्रियों एवं घरों पर हो रहे बाल श्रम के बारे में संदेश दिया गया। बच्चों, संस्था एवं समुदाय के लोगों ने बाल श्रम निषेध जागरूकता रैली के माध्यम से संदेश दिया। बचपन को बचाने और लोगों के बीच जागरूकता के लिए हर साल विश्व बालश्रम निषेध दिवस दुनियाभर के 100 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है। इधर, संस्था सदस्य सतपाल चहल, रोशन गुर्जर, राजेंद्र, सोमनाथ बीका, शकुंतला, प्रिया द्वारा बाल श्रम निषेध दिवस के ऊपर संदेश दिया की सभी अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल जरुर भेजे। संस्था द्वारा बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाता है, डाक्यूमेंट्स एवं अन्य चीजों में मदद के माध्यम से संस्था द्वारा वर्तमान में बच्चों को जीरो ड्रॉपआउट मिशन के तहत शिक्षा की मुख्यधारा से शिक्षा विभाग के सहयोग से जोडा जा रहा है। वहीं, फैक्टरियों, बाजारों में भी जागरूकता अभियान चलाया जाता है विभिन्न विभागों के सहयोग से संस्था वर्ष 2018 से लगातार इसके लिए प्रयासरत है, जिसके अंतर्गत हजारों बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है और अभी भी यह प्रयास जारी है।

दुष्कर्म पीड़ित बच्ची को होश आया, फूफा पर केस दर्ज

पानीपत। पानीपत के सिविल अस्पताल के आईसीयू में उपचाराधीन दुष्कर्म पीडित दस वर्षीय बच्ची को शनिवार की सुबह होश आ गया है। स्मरणीय है कि सगे फूफा ने बच्ची को नशीला गोलियां खिला कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इन गोलियों के नशे में बच्ची गुरुवार और शुक्रवार को बदहोशी की हालत में रही। इधर थाना चांदनी बाग पुलिस ने बच्ची के पिता व माता की तलाश कर ली और उन्हें साथ लेकर सिविल अस्पताल में पहुंची। उधर, समालखा थाना पुलिस ने पीडित लडकी की मां की शिकायत मिलने पर आरोपी सोनू के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

सिख गुरुओं की शिक्षाओं की पालना से होगी विश्व शांति: सिंह

- इतिहास पाठ्यक्रम में सिख गुरुओं व बाबा बंदा सिंह बहादुर के इतिहास को शामिल करने का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

हरियाणा सरकार ने राज्य के स्कूलों की आठवीं कक्षा के इतिहास पाठ्यक्रम में सिख गुरुओं और बाबा बंदा सिंह बहादुर के इतिहास को शामिल करने का फैसला किया है। वहीं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संदेश दिया है कि इस पहल का उद्देश्य नई पीढ़ी को सिख गुरुओं के त्याग, बलिदान, आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से परिचित कराना है। मुख्य मंत्री की इस पहल पर स्थानिय गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान जगतार सिंह बिल्ला व सिख समुदाय के लोगों ने नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया है। वहीं, बिल्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री ने गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी समागम के दौरान उन्होंने यह घोषणा की थी कि सिख इतिहास और गुरुओं की शिक्षाओं को विद्यालयी शिक्षा का हिस्सा बनाया जाएगा। अब सरकार ने इस घोषणा को अमल में लाते हुए इसे पाठ्यक्रम में शामिल कर दिया है। बिल्ला ने कहा कि गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोबिंद सिंह जी तक सभी सिख गुरुओं ने मानवता, समानता, सेवा, करुणा और सामाजिक न्याय का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज में सद्भाव, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की प्रेरणा देती हैं।

पानीपत। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जगतार सिंह बिल्ला प्रदेश सरकार का आभार जताते हुए।

पानीपत। आईबी कॉलेज के प्राचार्या डॉ सतवीर सिंह, सेना में चयनित प्रिंस को मिठाई खिलाते हुए।

एनसीसी कैडेट प्रिंस का सेना में चयन

पानीपत। आईबी पीजी कालेज के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि बीए द्वितीय वर्ष के छात्र एवं एनसीसी कैडेट प्रिंस का चयन भारतीय सेना की आर्मी मेडिकल कॉप्रस युनिट में हुआ है। चयन के उपरांत कैडेट प्रिंस 26 जून को लखनऊ में प्रशिक्षण हेतु रवाना होंगे। कैडेट प्रिंस ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण के बल पर यह उपलब्धि प्राप्त की है। उनकी सफलता से कालेज व परिवार में खुशी का माहौल है। प्राचार्य डॉ.सतवीर सिंह ने कैडेट प्रिंस को बधाई देते हुए कहा कि प्रिंस की यह सफलता महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। उनकी मेहनत और लगन ने यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। हमें विश्वास है कि वे भारतीय सेना में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करेंगे और कालेज का नाम रोशन करेंगे।

नगर निगम की लापरवाही पर उठे सवाल

नाले-नालियों की सफाई नहीं, जनता में रोष

- मानसून की दस्तक से पहले ही पानीपत में जलभराव की आशंका बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

ऐतिहासिक एवं औद्योगिक नगरी पानीपत में मानसून की दस्तक से पहले ही नगर निगम की लापरवाही लोगों के लिए चिंता का कारण बन गई है। शहर के अधिकांश क्षेत्रों में नालों और सीवरेज व्यवस्था की समय पर सफाई नहीं होने के कारण बरसात के दौरान व्यापक जलभराव की आशंका बढ़ गई है। यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो शहर की सडक़ों, बाजारों और रिहायशी कॉलोनियों में गंदा पानी भरने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो सकता है। शहर के कई प्रमुख नाले आज भी गाद, प्लास्टिक कचरे और अन्य ठोस अपशिष्ट से अटे पड़े हैं। बरसात के दौरान पानी की निकासी बाधित होने से गंदा पानी सडक़ों पर फैल जाता है। इससे न केवल यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है, बल्कि लोगों को घरों और दुकानों तक पहुंचने में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पिछले वर्षों का अनुभव बताता है कि मॉडल टाउन, तहसील कैंप, संजय चौक, आठ मरला, जाटल रोड, इंसार बाजार, काबड़ी रोड, गोहाना रोड, विकास नगर, शांति नगर तथा कई अन्य क्षेत्रों में हल्की बारिश के बाद ही जलभराव की स्थिति बन जाती है।

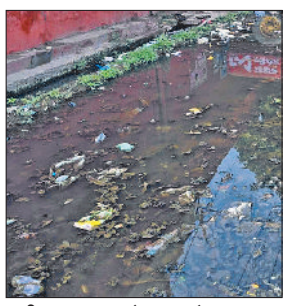

पानीपत। बरसत रोड पर ओवर फ्लो नाले।

जलभराव से बढ़ेगा बीमारी का खतरा

कई स्थानों पर सीवर ओवरफ्लो होने से गंदा पानी सडक़ों पर बहने लगता हैए जिससे दुर्गंध फैलती है और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर निगम हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के दावे करता है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग दिखाई देती है। कई स्थानों पर सफाई कार्य अधूरा है, जबकि निकाली गई गाद भी दिनों तक नालों के किनारे पड़ी रहती है, जो दोबारा बारिश के पानी के साथ नालों में पहुंच जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलभराव केवल यातायात की समस्या नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर चुनौती है। गंदे पानी के जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है। जिससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है। वहीं दूषित पानी के संपर्क में आने से त्वचा रोग और जलजनित संक्रमण भी बढ़ सकते हैं। व्यापारियों का कहना है कि बरसात के दौरान बाजारों में जलभराव होने से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होती है। जिससे कारोबार पर सीधा असर पड़ता है। कई बार दुकानों में पानी घुसने से लाखों रुपये का सामान भी खराब हो जाता है। शहरवासियों ने प्रशासन और नगर निगम से मांग की है कि मानसून शुरू होने से पहले सभी बड़े और छोटे नालों की युद्धस्तर पर सफाई कराई जाए।

खबर संक्षेप

नीट परीक्षा के लिए जिले में बनाए सात सेंटर

अंबाला। अतिरिक्त उपायुक्त विराट ने बताया कि 21 जून को नेशनल एलिजिबिल्टि कम एंट्रेस टेस्ट (नीट-यूजी) की लिखित परीक्षा नकलरहित व पारदर्शी तरीके से आयोजित करवाई जाएगी। इस परीक्षा के लिए सात सेंटर बनाए गए हैं। इसमें 2962 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचेंगे। परीक्षा के दृष्टिगत सभी सेंटरों पर सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक प्रबंध रहेंगे।

संपत्ति कर जमा के लिए विशेष काउंटर रहेंगे खुले

अंबाला। प्रदेश सरकार द्वारा नागरिकों को राहत प्रदान करते हुए संपत्ति कर के बकाया ब्याज राशि पर 30 जून 2026 तक विशेष छूट प्रदान की गई है। इस योजना का अधिक से अधिक लाभ आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम अंबाला द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। अतिरिक्त निगम आयुक्त दीपक सूरा ने बताया कि नगर निगम कार्यालय में 30 जून 2026 तक संपत्ति कर जमा करवाने के लिए रविवार के दिनों में भी विशेष कर संग्रहण काउंटर खुले रहेंगे।

विदेश भेजने पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

अंबाला। विदेश भेजने के नाम पर लाखों रूपये हड़पने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुनील वासी दिल्ली के रूप में हुई है। आर्थिक अपराध शाखा के निरीक्षक परमवीर ने बताया कि शिकायतकर्ता जोगिंद्र सिंह ने 4 सितंबर 2025 को शिकायत दी थी कि 12 जून 2024 से 28 सितंबर 2024 के बीच आरोपी सुनील व अन्य ने उसके पुत्र को विदेश भेजने का झांसा देकर उससे 50 लाख रूपये की रकम हड़प ली। न तो उसे विदेश भेजा और न ही उसके पैसे वापिस किए। अब पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी को रोहिला दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

विवि प्रशासन ने छात्रों के हित में दिया स्पेशल चांस

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही विद्यार्थियों की मांग को स्वीकार करते सीआरएस विवि प्रशासन ने यूजी पांचवें एवं सातवें सेमेस्टर तथा पीजी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को स्पेशल चांस प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारणवश अपने संबंधित सेमेस्टर के पेपर पास नहीं कर पाए थे अथवा उनकी डिग्री अधूरी रह गई थी, अब एक विशेष अवसर के माध्यम से अपनी परीक्षा देकर अपने शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित कर सकेंगे।

सामाजिक मुद्दों को लेकर खापों ने किया मंथन

जींद। समाजिक मुद्दों को लेकर सर्वजातीय खाप पंचायतों व सभी समाजिक संगठनों प्रबुद्ध व्यक्तियों युवाओं महिलाओं के प्रतिनिधियों ने तीन दिवसीय चिंतन शिविर आयोजित किया गया। इस चिंतन शिविर में लव मैरिज लीव इन समलैंगिक नशा मुक्ति जातियों की एकता जैसे विषयों पर चिन्तन किया गया समुन्द्र सिंह फोर प्रवक्ता माजरा खाप पंचायत जो चिन्तन शिविर कमेटी के सदस्य हैं ने बताया कि इस चिंतन शिविर में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान से 225 से ज्यादा खापों ने भाग लिया।

जमीन खाते अलग करवाने को लेकर दो महीने से अधिकारियों के धक्के खा रहे आवेदक

जींद। जमीन के खाते अलग-अलग करवाने की मांग को लेकर एक पीड़ित दो महीने से चक्कर काट रहा है। पीड़ित का कहना है कि अधिकारियों को शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इसके बाद उसने डिप्टी स्पीकर डा कृष्ण मिढ़ा के नाम शिकायत देकर समस्या का समाधान करने की मांग की है। गांव भंभेवा हाल आबाद अर्बन एस्टेट निवासी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि उसके गांव भंभेवा में दादा जयलाल के नाम 63 कनाल 18 मरले जमीन है। जिसका आज तक बंटवारा नहीं हुआ है। खेवट में जमीन का खाता अलग-अलग करवाने के लिए एक पटवारी ने उससे दो हजार लिए लेकिन उसका काम नहीं हुआ।

कबीर दास जयंती भव्य तरीके से मनाई जाएगी

जींद। जींद-अशरफगढ़ रोड पर निर्माणाधीन संत कबीर छात्रावास में संत शिरोमणि कबीरदास की 629वीं जयंती को कई समाजों द्वारा भव्य तरीके से मनाया जाएगा। जयंती की तैयारियां को लेकर प्रधान सतबीर सिंह लाडवाल ने कहा जयंती मुख्यअतिथि को लेकर वे संस्था की कार्यकारिणी के सदस्यों को साथ लेकर सीएम नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा से कई बार मिले पर समय नहीं मिला। संस्था की भलाई के लिए डिप्टी स्पीकर से संस्था के लोग पांच बार मिले लेकिन समय नही मिल पाया। कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यसभा सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध मुख्यअतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

लंबित शिकायतों के समाधान को लेकर गठित की कमेटियां

मानसून से पहले क्षेत्र में प्राथमिकता से करें नालियों की सफाई : कृष्ण बेदी

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने शिकायतों पर की गई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। मीटिंग में मौजूद कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अंबाला शहर के सभागार में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में महज दो शिकायतों का ही समाधान हो पाया। अन्य 10 शिकायतों के समाधान के लिए कमेटी गठित की गई है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछडे वर्ग कल्याण और अंतोदय सत्कार, वास्तुकला विभाग के मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने मीटिंग में रखी 12 शिकायतों पर सुनवाई की थी। इस मौके पर नारायणगढ़ की विधायक शैली चौधरी, मुलाना की विधायक पूजा चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, विधानसभा संयोजक रितेश गोयल, उपायुक्त अजय सिंह तोमर, पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, नगर निगम आयुक्त वीरेंद्र सिंह सहरावत भी मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में एजेंडे में रखी 12 शिकायतों को सुनते हुए 2 का निवारण किया गया है। 10 शिकायतों के समाधान के लिए कमेटी का गठन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का साफ संदेश है कि लोगों की समस्याओं को सुना जाए। उनका निवारण करने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि लोग अपनी समस्याएं विभिन्न माध्यमों से रखते हैं जिसमें सीएम विंडो, जन संवाद, समाधान शिविर तथा जिला स्तर पर प्रतिनिधि के समक्ष रखते हैं। इसके अलावा कष्ट निवारण समिति की बैठक भी एक माध्यम है जिसमें प्रार्थियों की शिकायतों को सुनकर उनका समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि उनका पूरा प्रयास है कि लोगों की समस्याओं का निवारण करते हुए उसे समय रहते न्याय दिलवाना है। मानसून को ध्यान में रखते हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की सफाई को प्राथमिकता से करवाया जाएगा।

इन शिकायतों पर हुई सुनवाई

जिला कष्ट निवारण समिति की मीटिंग में गांव बिहटा व तेपला से आए पवन कुमार, अश्वनी चौहान तथा इंद्रजीत सिंह व हरभजन सिंह ने बताया कि उनके खेतों के पास से बरसाती नदी निकलती है जोकि शामली अंबाला हाईवे बनने से बंद हो गई है। अब इसका पानी हमारे खेतों में भर जाता है। मंत्री ने प्रार्थी व अधिकारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को सुनने के उपरांत इस मामले में विधायक मुलाना, भाजपा अध्यक्ष मनदीप राणा, एडीसी, एसडीएम, नायब तहसीलदार साहा, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता, कष्ट निवारण समिति के सदस्य संजीव मिश्रा के साथ प्रार्थी को भी कमेटी में शामिल करते हुए बैठक कर आगामी बैठक से पहले रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इन शिकायतों पर हुई सुनवाई

गांव बिहटा के पवन कुमार ने गांव से बरसाती पानी की निकासी की समस्या रखी। इस मामले में मंत्री ने बीडीपीओ साहा, सिंचाई विभाग के एक्सईएन व कष्ट निवारण समिति के एक सदस्य को नियुक्त करते हुए उक्त जगह का मुआयना करने के निर्देश दिए। अंबाला शहर के पशुपति कुष्ट आश्रम से आए लोगों ने बताया कि बरसाती पानी की निकासी सही तरीके से न होने के कारण उनके आश्रम के नजदीक जो नाला है वह बंद पड़ा है। इससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस मामले में मंत्री ने आयुक्त नगर निगम को निर्देश दिए कि पशुपति कुष्ठ आश्रम के पीछे की चारदीवारी करवाकर नगर निगम के अधिकारियों को मौका मुआयना करें। गांव नन्हेड़ा के बीरू राम ने कहा कि उसका गांव में मकान है। वह पिछले कई वर्षों से उसका ही जगह पर कब्जा भी है। उसने बताया कि नगर परिषद् द्वारा उसकी प्रोपर्टी आईडी में से उसका नाम हटा दिया गया है। इस मामले में कैबिनेट मंत्री ने उपायुक्त को मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं। गांव गदौली के सुखबीर सिंह की जमीन से जुड़े मामले पर कैबिनेट मंत्री ने विधायक नारायणगढ़, मंडल अध्यक्ष, कष्ट निवारण समिति के सदस्य, नायब तहसीलदार व एसएचओ की एक कमेटी गठित करते हुए मामले की जांच करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत राजोखेडी की सरपंच राजिंद्र कौर व अन्य द्वारा पेयजल व्यवस्था के लिए नई पाईप लाईन बिछाने की शिकायत रखी। इस मामले में कार्यकारी अभियंता ने बताया कि गांव में पाइपलाईन बिछा दी जाएगी। गांव गदौली के कुलदीप सिंह ने गांव में सिंचाई विभाग द्वारा बनाए जा रहे पुल के निर्माण कार्य के साथ जो स्टोन पीचिंग का कार्य किया जा रहा है वह सही तरीके से नहीं हो रहा है। इस मामले में कैबिनेट मंत्री ने प्रार्थी को सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बारे में कहा। जोगिंद्र सिंह ने उसके घर के सामने बिजली का खंभा टेढा होने व नंगी तारें होने की शिकायत रखी।

पारिवारिक पंचायत में की दामाद ने दादी की हत्या

एआई जेनरेटेड

- पंचायत में कहासुनी के दौरान आरोपियों ने किया हमला, पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

परिवारिक पंचायत के दौरान हुए झगड़े में विवाहिता की बुजुर्ग दादी बिमला देवी की मौत हो गई। आरोपी कुलबीर ने उन्हें जोरदार धक्का दिया था। आरोप है कि कुलबीर ने अपने हाथ में पहने भारी कड़े से बिमला के मुंह पर हमला किया था। जिससे वह चारपाई पर गिर गई। खून से लथपथ हालत में बुजुर्ग को सीएचसी मुलाना दाखिल किया गया। यहां से उन्हें एमएमयू मुलाना अस्पताल रेफर कर दिया था। दरअसल करीब पांच साल पहले हुए प्रेम विवाह के बाद कोई बच्चा न होने पर प्रताड़ित की जा रही विवाहिता के घर जब उसका परिवार समझौता करवाने पहुंचा तो लड़के पक्ष ने हमला कर दिया। इस हमले के दौरान यमुनानगर के सुल्तानपुर गांव की बिमला देवी (75) की चेहरे पर गहरा घाव होने के चलते मौत हो गई। जबकि विवाहिता के ताया धर्मबीर, चचेरे भाई हिमांशु, ताई कोमल रानी को भी काफी चोटें आई। पुलिस के आने पर हमलावर भाग गए। मुलाना पुलिस ने मृतका के पोते विनायक उर्फ सौरभ की शिकायत पर हमलावर दामाद कुलबीर सिंह, रणजीत सिंह, राजू पर हत्या की धारा 103(1), स्वेच्छा से चोट पहुंचाना की धारा 115, आपराधिक धमकी 351(2) सामूहिक अपराध की धारा 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस को दिए बयान में विनायक ने बताया कि 12 जून शाम करीब 7:30 बजे वह अपनी बहन खुशी, ताया धर्मबीर, चचेरे भाई हिमांशु, ताई कोमल रानी और दादी बिमला देवी के साथ बाइकों पर सवार होकर काशापुर आए थे। दोनों पक्ष बैठकर बातचीत कर रहे थे कि अचानक कहासुनी होने पर जीजा कुलबीर सिंह, उसके चाचा राजू, रणजीत सिंह ने हमला कर दिया। बुजुर्ग दादी बिमला देवी बीच-बचाव करने आईं तो आरोपी कुलवीर ने उन्हें जोरदार धक्का दिया और अपने हाथ में पहना भारी कड़ा उनकी बाईं आंख के नीचे दे मारा, जिससे वह चारपाई पर गिर गई। खून से लथपथ हालत में सीएचसी से उन्हें एमएमयू मुलाना अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिंदल बने हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के उप प्रधान

- सीएम नायब सिंह सैनी व पार्टी नेतृत्व का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

शहजादपुर। राकेश बिंदल का अभिनंदन करते पार्टी नेता।

क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी राकेश बिंदल को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड का वाइस चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को भारतीय जनता पार्टी में लगभग 35 वर्षों की सक्रिय संगठनात्मक सेवाओं और समर्पित कार्यशैली का सम्मान माना जा रहा है।

नियुक्ति के बाद राकेश बिंदल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी,पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। राकेश बिंदल का जन्म 21 अक्तूबर 1969 को विधानसभा क्षेत्र के गांव बरोली में हुआ। उनके पिता स्वर्गीय ओम प्रकाश बिंदल भारतीय जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे। दिसंबर 2021 से नवंबर 2023 तक महेश नगर मंडल प्रभारी रहे। वर्ष 2023 से मई 2024 तक उन्होंने साढौरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विस्तारक के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। 2024 के विधानसभा चुनाव में राकेश बिंदल ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी के चुनाव एजेंट के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आपातकाल के दौरान काटी थी जेल

1962 से जनसंघ की गतिविधियों में सक्रिय रहे ओम प्रकाश बिंदल आपातकाल के दौरान राजनीतिक बंदी के रूप में अंबाला सेंट्रल जेल में भी रहे। 2016 में सरकार द्वारा उन्हें लोकतंत्र की रक्षा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। बिंदल वर्ष 1991 से भारतीय जनता युवा मोर्चा के माध्यम से सक्रिय राजनीति में आए और लगातार संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे। उन्होंने वर्ष 2000 से 2003 तक भाजपा नारायणगढ़ मंडल के महामंत्री तथा वर्ष 2003 से 2006 तक मंडल अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। वर्ष 2007 से 2010 तक वे भाजपा जिला अंबाला के कोषाध्यक्ष रहे, जबकि वर्ष 2010 से 2012 तक जिला प्रशिक्षण संयोजक की जिम्मेदारी निभाई।

घरेलू विवाद के चलते विवाहिता पर हमला पुलिस ने चार के खिलाफ किया मुकदमा दर्ज

- सगे भाई, भाभी और उनके रिश्तेदारों पर घर में जबरन घुसकर मारपीट की व गला दबाकर धमकाते हुए अलमारी व पेटी से कीमती सामान निकालने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

बीडी फ्लोर मिल के पीछे निवासी लक्ष्मी नगर में घरेलू विवाद के चलते जमकर हंगामा हुआ। नवविवाहिता का आरोप है कि सगे भाई, भाभी और उनके रिश्तेदारों पर घर में जबरन घुसकर मारपीट की व गला दबाकर धमकाते हुए अलमारी व पेटी से कीमती सामान निकाल लिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों आरोपियों को काबू कर लिया। कोमल सैनी की शिकायत पर भाई विशाल सैनी, भाभी रीना, मामा ईश्वर सिंह, बुआ सुलोचना देवी पर मारपीट, धमकाने की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। लक्ष्मी नगर की कोमल सैनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह इन दिनों अपने मायके आई हुई थी।

9 जून को सुबह पति सुमित सैनी अपने व्यापार के काम से बाहर गए थे, जबकि उसके पिता रमेश सैनी और बड़ा भाई गौरव सैनी अंबाला शहर कोर्ट के किसी काम से गए हुए थे। सुबह करीब 11 बजे घर पर अकेली थी। तभी छोटा भाई विशाल सैनी, भाभी रीना सैनी, भाभी का मामा ईश्वर सिंह और बुआ सुलोचना देवी जबरन उनके घर में घुस आए।

घर में घुसते ही विशाल और रीना अलमारी व पेटी खोलकर सामान खंगालने लगे। जब कोमल ने इसका विरोध किया तो चारों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि भाभी के मामा ईश्वर सिंह ने मुंह और गला दबाया। इस मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

गैंगस्टर वैकेंट गर्ग से पूछताछ शुरू, इंटरनेशनल नेटवर्क एवं फर्जी पासपोर्ट के मामले में होगी जांच

नारायणगढ़। जॉर्जिया से डिपोर्ट कर भारत लाए गए हत्या व रंगदारी के 32 मामलों के आरोपी बदमाश वेंकट गर्ग को एसटीएफ ने पूछताछ शुरू कर दी है। जांच टीम ने आरोपी को 12 दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी से अब अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क व फर्जी पासपोर्ट रैकेट का पर्दाफाश करने के लिए पूछताछ चल रही है। एसटीएफ की जांच में सामने आया था कि वेंकट गर्ग 10 दिसंबर 2024 को दिल्ली से भागा था। गुरुग्राम के फर्जी पते पर पासपोर्ट बनवाकर जॉर्जिया पहुंच गया था। रिमांड के दौरान आरोपी को गुरुग्राम ले जाया जाएगा। बता दें कि नारायणगढ़ में 25 जनवरी 2025 को हरबिलास हत्या कांड से पहले ही वेंकट गर्ग जॉर्जिया भाग गया था। वहीं से बैठे-बैठे अपने गुर्गों के जरिये हरबिलास की हत्या करवाई। जांच के दौरान पता चला था कि इस मामले में वेंकट ही मुख्य आरोपी है। एसटीएफ कुछ रोज पहले ही उसे जॉर्जिया से भारत लेकर आई है। लंबे समय से उसे भारत लाने की प्रक्रिया चल रही थी। आरोपी से सभी मामलों में सिलसिलेवार पूछताछ की जाएगी।

- एसटीएफ ने आरोपी को पूछताछ के लिए 12 दिन के रिमांड पर लिया, 10 दिसंबर 2024 को गुरुग्राम के फर्जी पते पर पासपोर्ट बनवाकर जॉर्जिया भागा था वैकेंट गर्ग

सफीदों की बेटी प्रेरणा ने रचा इतिहास

सफीदों। छोटे शहरों की बेटियां अब केवल सपने नहीं देख रहीं बल्कि उन्हें साकार कर देश व दुनिया में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसा ही एक गौरवपूर्ण उदाहरण पेश किया है सफीदों की होनहार बेटी एवं मदवि रोहतक के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की पूर्व शोधार्थी डा. प्रेरणा कौशिक ने। डा. प्रेरणा ने अपने शोध सहयोगियों विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक और एसोसिएट प्रो. डा. विनीत मित्तल के साथ मिल कर मोशन सिकनेस से बचाव के लिए एक विशेष मेडिकेटेड च्युइंग गम विकसित की है, जिसे भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया है। यह उपलब्धि न केवल सफीदों बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है। जैसे ही यह खबर शहर में पहुंची तो लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रेरणा के निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया और हर कोई इस उपलब्धि को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बता रहा है। डा. प्रेरणा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने अपने माता-पिता के मार्गदर्शन, शोध सहयोगियों और विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शोध वातावरण को दिया है। कहा कि यह टीम वर्क का परिणाम है और विवि द्वारा मिले सहयोग ने इस शोध को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। प्रेरणा कौशिक ने बताया कि मोशन सिकनेस यानी यात्रा के दौरान होने वाली उल्टी, जी मिचलाना और चक्कर जैसी समस्याएं आम हैं, जो लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं। बस, ट्रेन या कार में सफर करते समय कई लोग इस परेशानी से जूझते हैं, जिससे उनका सफर बेहद असहज हो जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए यह एक समाधान विकसित किया है। जो न केवल प्रभावी है बल्कि उपयोग में भी बेहद आसान है।

- मोशन सिकनेस से राहत के लिए बनाई पेटेंटेड मेडिकेटेड च्युइंगम

जींद। नागरिक अस्पताल के सामने धरना देते हुए। फोटो :हरिभूमि

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर दिया धरना

जींद। रेफर मुक्त संघर्ष समिति के संयोजक फरीदाबाद निवासी प्रदेश में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मुहिम को लेकर साइकिल यात्रा पर निकले हैं। एक जून से फरीदाबाद से शुरू की साइकिल यात्रा में वह नूंह, गुरुग्राम, रेवाड़ी, चरखी दादरी, सोनीपत व रोहतक जैसे जिलों से होते हुए 13वें दिन शनिवार को जींद पहुंचे। सुबह साढ़े दस बजे जींद पहुंचने के बाद वे दो घंटा नागरिक अस्पताल के सामने रुके। यहां दो घंटा आराम के बाद वे हांसी के लिए निकल गए। सतीश चोपड़ा का कहना था कि वे पंचकूला पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग को लेकर वे स्वास्थ्य मंत्री आरती राव से मिलेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी से भी मुलाकात करेंगे। इस साइकिल यात्रा में उनके साथ सुनील कुमार भी साथ रहे। सतीश चोपड़ा कहना है कि इससे पहले भी उन्होंने 2024 में 294 दिन का धरना नागरिक अस्पताल फरीदाबाद के आगे भी दिया था।

पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल ने हर्बल पार्क में किया पौधरोपण

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश उन्नति की ओर अग्रसर: गोयल

मोदी सरकार गरीबों को समर्पित है। हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतरता में किए जा रहे कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। पौधरोपण करते पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल व अन्य।

केंद्र सरकार की 12 साल की उपलब्धियों के दृष्टिगत अंबाला शहर के हर्बल पार्क में वन विभाग द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। वशिष्ठ अतिथि के तौर पर मेयर अक्षिता सैनी उपस्थित रही। इस मौके पर पूर्व मंत्री असीम गोयल व मेयर अक्षिता सैनी ने पौधारोपण कर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इससे पहले उनका यहां पहुंचने पर हर्बल पार्क वैल्फेयर सोसायटी ने पर्यावरण का प्रतीक पौधा देकर उनका अभिनंदन किया। पूर्व मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में देश तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उनका 12 साल का समय सेवाकाल का है। सेवाभाव से उन्होंने सभी को साथ लेकर देश को उन्नति के पथ की ओर ले जाने का काम किया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में भारत में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। वैश्विक स्थिति मजबूत हुई है, सामरिक दृष्टि से भारत आगे बढ रहा है, नए भारत का सृजन हो रहा है। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि इन 12 सालों में लोगों का विश्वास जीतने का काम किया है। विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। मोदी सरकार गरीबों को समर्पित है। हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतरता में कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की टीम हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी सोच के साथ 140 करोड देशवासियों को साथ लेकर कार्य कर रही है। पूर्व मंत्री ने कहा कि पेड़ लगाना जहां अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम संकल्प अभियान का शुभारंभ किया है। इस संकल्प के तहत हमें एक पेड़ अपनी मां के नाम से अवश्य लगाना चाहिए।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जून 2026

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड
डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

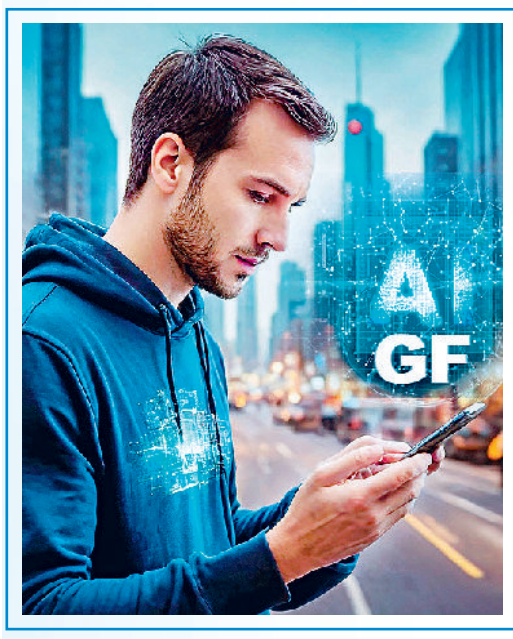

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

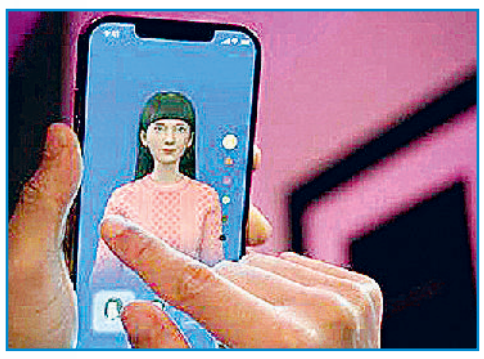

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत
जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

{ टेक्नोसाइंस / प्रतिमा अरोड़ा }

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते-बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

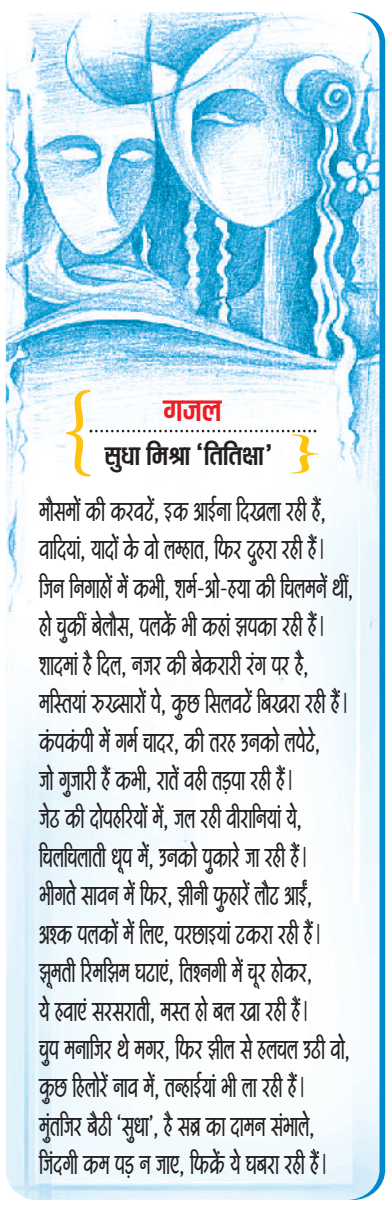

{ गजल / सुधा मिश्रा 'तितिक्षा' }

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-हया की थिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, ज़ीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां टकरा रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये ख्वाएं सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित हैं ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

{ स्मरण / अरविंद कुमार }

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा,'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्म हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

सैर-सपाटा
अंशु सिंह

भारत के उत्तरपूर्व में छोटा सा प्रदेश है- सिक्किम। इसका एक तिहाई हिस्सा बायोस्फीयर रिजर्व और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, जहां दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी, माउंट कंचनजंगा स्थित है। यहां की संस्कृति मिली-जुली है। खाना अनोखा है, नजारे शानदार, सड़कें साफ-सुथरी और माहौल बहुत शांत है। कुछ समय पूर्व ही सिक्किम की यात्रा से लौटीं लेखिका इसकी खूबसूरती बयां कर रही हैं अपनी जुबानी।

जन्नत से कम नहीं सिक्किम

हालांकि देश के अलग-अलग हिस्से में यात्राएं तो मैंने कई की हैं। लेकिन अब तक देश के उत्तरी पूर्वी राज्यों में से कहीं जाना नहीं हुआ था। इसलिए जिस दिन सिक्किम यात्रा का प्लान फाइनल हुआ, उस दिन से मन में एक अलग-सा उल्लास भर गया था। दिल्ली से सिक्किम जाने के दो विकल्प थे- ट्रेन या हवाई जहाज। हमारे समूह ने ट्रेन से जाने का निर्णय लिया। दिल्ली से पहले पश्चिम बंगाल के नई जलपाईगुड़ी और फिर वहां से प्राइवेट कैब लेकर गंगटोक। यह यात्रा काफी दिलचस्प रही। पहाड़, जंगल, संग-संग बहती तीस्ता नदी और छोटे-छोटे गांव, कस्बों को पार करते हुए आखिरकार हम गंगटोक पहुंचे।

गंगटोक ने मोह लिया मन

हिमालय की गोद में बसा गंगटोक एक ऐसा स्थान है, जहां बादल पहाड़ों के साथ अठखेलियां करते हैं, तो नदियां अपनी ही धुन में गीत गाती बहती हैं। यह नजारा किसी जन्नत से कम नहीं लगता। जैसे ही सूरज की किरणें बर्फ से ढंकी चोटियों को चूमती हैं, नीचे हरी-भरी घाटियों पर सुनहरी आभा बिखर जाती है। अपने रंग-बिरंगे बौद्ध मठों, बाजारों और मोहक नजारों से सजा गंगटोक बेमिसाल है। सिक्किम की यह राजधानी दुनिया के कुछ सबसे शानदार बौद्ध मठों का घर है, जिसमें सबसे मशहूर मठ है रुमटेक मठ। गंगटोक से करीब 21 किमी दूर स्थित इस मठ के शांत माहौल में आप रम जाएंगे। इसके अलावा, बीच शहर में स्थित गोनजैंग मठ भी कम मनमोहक नहीं है। शहर के अन्य आकर्षणों में बानझाकरी वॉटरफॉल, ताशी व्यू प्वाइंट, गणेश टोक, हनुमान टोक, गैंगटोक रोप-वे राइड, हिमालयन जूलॉजिकल पार्क और ऑर्किडेरियम मुख्य हैं।

टेमी टी गार्डन से कंचनगंजा के दीदार

गंगटोक पहुंचने के दूसरे दिन, सुबह नाश्ता करके हम सभी पश्चिम सिक्किम के पेल्लिंग के लिए रवाना हुए, जो करीब 130 किमी. दूर था। हमारा पहला पड़ाव टेमी चाय बागान था। यह सिक्किम का एकमात्र टी गार्डन है, जहां ऑर्गेनिक चाय की पैदावार होती है। घुमावदार रास्तों से जब हमने इस गार्डन में प्रवेश किया, तो वहां की खूबसूरत छटा देखते ही रह गए। मौसम साफ था, तो वहां से कंचनजंगा चोटी के दीदार भी हुए। कुछ समय बिताने के पश्चात हम आगे बढ़े। शाम करीब 4.15 बजे हम पेल्लिंग स्थित अपने होम स्टे पर पहुंच गए। वहां सभी का स्थानीय रीति-रिवाज के अनुसार, स्वागत हुआ। लेकिन तब तक मौसम का रंग बदल चुका था। रिमझिम शुरू हो गई। अगली सुबह भी बारिश थमी नहीं। लेकिन नौ बजते-बजते आसमान साफ होने लगा। हम निकल पड़े पेल्लिंग की ओर।

पश्चिमी सिक्किम का नगीना-पेल्लिंग

पेल्लिंग एक शांत कस्बा है, जो करीब 7,050 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग सरीखा है। हरी-भरी घाटियों, झर-झर गिरते झरनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ यह इलाका सिक्किम के मूल स्वरूप को बेहद खूबसूरती से समेटे हुए है। यहां अकसर कोहरा और बादल छाए रहते हैं, जो इसकी अलौकिक सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। यहां ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, बर्ड वॉचिंग करने के अलावा, प्राचीन मठ, गोंपा और स्तूपों से लेकर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं पवित्र खेचेओपालरी झील की सैर कर सकते हैं। हमने कुछ चुनिंदा स्थानों पर जाना तय किया।

पेमायंगत्से मठः 17वीं सदी में स्थापित, सिक्किम के सबसे पुराने मठों में से एक पेमायंगत्से मठ में दुर्लभ कलाकृतियां देखने को मिलेंगे।

खेचेओपालरी झीलः बौद्ध और हिंदू धर्म में पूज्यनीय माने जाने वाले पवित्र खेचेओपालरी झील में एक अलग ही अनुभव होता है। मान्यता है कि मनोकामना पूर्ति करने वाली इस झील के शांत जल को गुरु पद्मसिन और देवी तारा का आशीर्वाद प्राप्त है।

सिडकियोंग बर्ड पार्कः पक्षी प्रेमियों के लिए पेल्लिंग और रबदंत्से के बीच एक खास आकर्षण का स्थल है- सिडकियोंग बर्ड पार्क, जो हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले देशी-विदेशी पक्षियों का घर है।

रिवर ऑरेंज गार्डनः रिंबी नदी के किनारे स्थित इस गार्डन में संतरे के बेशुमार पेड़ लगे हैं। ऑरेंज गार्डन के अंदर एक विलेज होमस्टे, कुछ दुकानें और रेस्टोरेंट भी हैं।

ग्लास स्काईवॉकः ग्लास स्काईवॉक पेल्लिंग के बेहद शानदार अनुभवों में से एक है। देश के इस पहले 'ग्लास स्काईवॉक' के अनुभव को भुलाया नहीं जा सकता, जो समुद्रतल से लगभग 7200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। जब आप इसके पारदर्शी शीशे के फर्श पर कदम रखते हैं, तो हवा में चलने जैसा एहसास होता है। नीचे घाटी को देखते हुए रोमांचक अनुभव होने के साथ-साथ थोड़ी घबराहट भी होती है। लेकिन आस-पास के हरे-भरे नजारे और पूर्वी हिमालय के शानदार दृश्य मन को सुकून देते हैं। स्काईवॉक के समीप ही चार भुजाओं वाले चेनरेजिंग (अवलोकितेश्वर) की 137 फीट ऊंची मूर्ति भी स्थित है।

नामची में चार धाम के दिव्य दर्शन

पेल्लिंग में दो दिन बिताने के उपरांत हमारा अगला डेस्टिनेशन था, सिक्किम के दक्षिण में स्थित नामची। इसे राज्य का सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र कहते हैं। यहां हमने 'चार धाम' मंदिर के दर्शन किए। असल में यहां भारत के चार पवित्र मंदिरों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। मंदिर परिसर में भगवान शिव की 108 फुट ऊंची प्रतिमा मुख्य आकर्षण का केंद्र है। समीप में एक भव्य साईं मंदिर भी है।

रावंगला का अलौकिक बुद्ध पार्क

नामची से जब हम रावंगला की ओर बढ़े, तो वहां हमें एक भव्य बुद्ध पार्क के दर्शन हुए, जिसे 'तथागत त्सल' के नाम से भी जाना जाता है। यहां शाक्यमुनि बुद्ध की 130 फुट ऊंची, अत्यंत सुंदर प्रतिमा स्थित है।

मनमोहक त्सोंगो झील

गंगटोक से लगभग 40 किलोमीटर दूर (गंगटोक-नाथुला हाइवे), 12,313 फीट की ऊंचाई पर स्थित त्सोंगो झील एक हिमनद झील है, जो अपने शानदार प्राकृतिक नजारों और गहरे सांस्कृतिक महत्व के लिए जानी जाती है। इसकी सतह

का रंग मौसम के अनुसार, बदलता रहता है। जैसे ही हम इसके करीब पहुंचे, वहां का नजारा कल्पना से भी परे था। चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां और हरे-भरे घास के मैदान। यह किसी परी कथा से सीधे निकला हुआ दृश्य लग रहा था। हमने यहां न सिर्फ बर्फ में मस्ती, याक की सवारी की, बल्कि दुनिया के सबसे ऊंचे रोप-वे की रोमांचक यात्रा भी की।

लाचुंग की यादगार यात्रा

हमारा अगला पड़ाव अब सिक्किम का उत्तरी भाग था, जो क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा और अधिक रिमोट क्षेत्र है। गंगटोक से लाचुंग की दूरी करीब 102 किमी. है। सबसे पहले हमें मिला, सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल्स। इस झरने में सात सीढ़ियां या चरण हैं, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। यहां कुछ देर ठहरने के पश्चात हम आगे बढ़े, तो अगला पड़ाव लाचुंग में प्रवेश का चेक प्वाइंट था। लाचुंग में हमने रात में होटल में विश्राम किया और अगले दिन सुबह-सुबह युमथांग घाटी और जीरो प्वाइंट के लिए निकले।

परीलोक जैसा युमथांग घाटी

11,800 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर बसा युमथांग घाटी किसी परीलोक जैसा लगा। अल्पाइन घास के सुंदर मैदान, चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां, गर्म पानी के झरने और साथ में बहती लाचुंग नदी। इसे फूलों की घाटी भी कहते हैं। यहां खासकर रोडोडेंड्रोन के फूल खिलते हैं, जो वैली को गुलाबी, लाल और बैंगनी रंगों से रंग देते हैं।

धरती का वंडरलैंड जीरो प्वाइंट

युमथांग घाटी के सर्पीले रास्तों से गुजरते हुए हमारा साक्षात्कार धरती पर एक अलग ही दुनिया से होता है, जिसे 'जीरो प्वाइंट' (या युमेसमडोंग) कहते हैं। उत्तरी सिक्किम में 15,300 फीट की ऊंचाई पर भारत-चीन सीमा के पास स्थित यह एक सफेद वंडरलैंड है। यहां ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है, तो आपको नीचे से ही पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन लेकर आना होता है। जीरो प्वाइंट पर सिर्फ भारतीय सैलानी ही आ सकते हैं। उन्हें सिक्किम टूरिज्म डिपार्टमेंट से प्रोटेक्टेड एरिया परमिट की जरूरत पड़ती है, जो रजिस्टर्ड टूर ऑपरेटर के जरिए एडवांस में लेना होता है। *

कब जाएं : सिक्किम जाने का बेस्ट टाइम है मार्च से मई का महीना। इसके अलावा अक्टूबर से दिसंबर के मध्य तक यहां जा सकते हैं। यूं कहें कि मानसून से पहले यहां कभी भी जा सकते हैं।

कैसे जाएं : आमतौर पर सैलानी पश्चिम बंगाल के बागडोगरा तक हवाई यात्रा करते हैं और वहां से कैब के जरिए गंगटोक जाते हैं। आगे की यात्रा भी सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त टूर ऑपरेटर के कैब या टैक्सी से करते हैं। बागडोगरा के अलावा, गंगटोक से 35 किमी दूर स्पेशल पाकयोंग एयरपोर्ट भी है। ट्रेन से आप सिलिगुड़ी या न्यू जलपाईगुड़ी तक पहुंच सकते हैं और वहां से कैब से गंगटोक जा सकते हैं।

परफ्यूम-डिओड्रेंट से मिले फ्रेश फील

सीजनल ट्रेंड / विवेक कुमार

गर्मी के मौसम में युवाओं की लाइफस्टाइल में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। उनके ड्रेस कलर हल्के हो जाते हैं। फुटवियर कंफर्टेबल और पसीना सोखने वाले पहनने लगते हैं। स्किन केयर प्रोडक्ट्स की संख्या बढ़ जाती है और इन सब चीजों के साथ ही शामिल हो जाता है डिओड्रेंट और परफ्यूम।

बढ़ा है ट्रेंडः एक जमाना था, जब केवल खास मौकों पर ही परफ्यूम, डिओड्रेंट आदि का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन आज के युवाओं की डेली लाइफस्टाइल के लिए ये जरूरी चीजें बन गई हैं, क्योंकि अब खुशबू केवल सौंदर्य का विषय नहीं बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का भी हिस्सा है। इसलिए कॉलेज से लेकर सोशल गेदरिंग और दफ्तर तक में परफ्यूम, डिओड्रेंट का चलन बहुत बढ़ गया है।

गर्मियों में इसलिए भी है जरूरीः गर्मियों में शरीर से पसीना बहुत निकलता है। इस कारण शरीर में बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय होते हैं और शरीर से दुर्गंध आने लगती है। यंगस्टर्स सबसे ज्यादा भागदौड़ करते हैं और बहुत सारे लोगों से मिलते-जुलते हैं। ऐसे में शरीर से अच्छी खुशबू आना और फ्रेश फील करना, जरूरी हो जाता है। यही वजह है कि गर्मी के मौसम में डिओड्रेंट और परफ्यूम युवाओं के लिए सबसे जरूरी एसेसरीज बन जाती हैं।

बदल रही है च्वॉइसः फ्रेगरेंस की बात करें तो पहले के जमाने में लोग सिट्रस, एक्वा, मिंट, फ्लोरल नोट्स वाले परफ्यूम इस्तेमाल किया करते थे। जबकि लड़कियां बॉडी मिस्ट और हल्के फ्रूटी परफ्यूम पसंद करती थीं। लेकिन आजकल

स्पोर्टी और मस्क फ्रेगरेंस का चलन बढ़ा है।

बढ़ी है डिमांड-सप्लाईः कुछ दशक पहले के युवाओं के मुकाबले आज के युवाओं की अर्निंग और परचेजिंग पावर बढ़ी है। जो टीनएजर अपने मम्मी-पापा पर पॉकेटमनी के लिए डिपेंड हैं, उनकी पॉकेटमनी भी पहले से काफी ज्यादा बढ़ गई है। इस कारण भी बाजार में परफ्यूम और डिओड्रेंट जैसी एसेसरीज की भरमार हो गई है। अब केवल बड़े ब्रांड ही नहीं बल्कि कई भारतीय स्टार्टअप भी युवाओं को ध्यान में रखकर नए-नए प्रोडक्ट्स लांच कर रहे हैं। मसलन, पॉकेट परफ्यूम, मिनी रोल-ऑन, एल्कोहल फ्री डिओड्रेंट आदि तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। *

सिने ट्रेंड
डी. जे. नंदन

फिल्मों में कितना इफेक्टिव है स्पीड-एडवेंचर का जादू

आज की दौड़ती-भागती जिंदगी जी रहे लोग, खासकर यंगस्टर्स, मनोरंजन के लिए देखी जाने वाली फिल्मों में भी 'स्पीड' यानी तेजी से भागती कहानी पसंद करते हैं। हालांकि कई फिल्में इसकी अपवाद भी रही हैं। फिल्मों में स्पीड और एडवेंचर के सक्सेस से रिलेशन पर एक नजर।

आज का दर्शक ठहराव नहीं, स्पीड चाहता है।' यह धारणा इन दिनों फिल्म जगत में किसी सूत्रवाक्य की तरह हर तरफ गूंज रही है। कहा जा रहा है कि मोबाइल स्क्रीन, रील कल्चर और लगातार बदलती डिजिटल दुनिया ने युवाओं को इतना धैर्यहीन बना दिया है कि अब वह उन्हीं फिल्मों को देख सकते हैं या देखते हैं, जो शुरुआती 10 मिनटों में ही दर्शकों को खुद से जोड़ ले। हर कुछ देर में चौकाएं और कहानी में बिना कोई ठहराव आए, वह लगातार आगे बढ़ती रहे। इसके लिए फिल्मों में तेज एडिटिंग, छोटे दृश्य, लगातार ट्विस्ट और ऊंची भावनात्मक उत्तेजना का चलन बढ़ा है। कुल मिलाकर यह 'हाई इंगेजिंग' ड्रामा का दौर है।

दर्शकों को चाहिए अटैचमेंट हुकः इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज का युवा दर्शक शुरू से ही फिल्मों में 'अटैचमेंट हुक' चाहता है। उसमें यह आदत हाल के सालों में विकसित हुई रील कल्चर और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ही लगाई है, क्योंकि आज के युवा आमतौर पर दिन के तीन से चार घंटे, छोटे वीडियो और तेज रफ्तार सूचनाओं के घेरे में रहते हैं। लगातार बदलती विजुअल एक्साइटमेंट के बीच रहने के कारण उनके स्वभाव में तेजी को लेकर पसंदगी बढ़ी है। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में भी कुछ इस तरह से हाइप बन गई है कि अगर कहानी देर तक एक ही वातावरण में टिकी रही तो दर्शकों, विशेषकर युवाओं का ध्यान उचट जाएगा और वो फिल्म को नकारा देंगे।

इन फिल्मों ने सेट किया नया ट्रेंडः अब बॉलीवुड ट्रेंड के जानकारों और फिल्म मेकर्स के लिए सफलता का अलिखित सिद्धांत बन चुका है कि युवा दर्शकों को फिल्मों में शुरू से ही बांधकर रखो। किसी बड़े हादसे के जरिए, किसी उलझाऊ रहस्य के जरिए या अंधाधुंध हिंसा अथवा विस्फोट के जरिए। बहरहाल, यह राय बनाने या यूं कहें कि यह ट्रेंड सेट करने में हाल के वर्षों में आई 'जवान' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों की बड़ी भूमिका है। क्योंकि इन फिल्मों में तेज रफ्तारी का सिद्धांत ही सबसे ज्यादा मजबूती से खड़ा दिखाई देता है। इन फिल्मों की सफलता और फिर हाल में आई 'धुरंधर-1', 'धुरंधर-2', की सफलता ने ही तेज रफ्तार वाली फिल्मों के लिए माहौल बनाया है। ट्विस्ट और टर्न्स से भरी इन इन सभी फिल्मों में बड़ी तेजी से थोड़ी-थोड़ी देर में दृश्य बदलते हैं।

इमोशनल इंगेजिंग फिल्में भी हुईं सफलः फिल्मों की स्पीड को लेकर सवाल यह भी उठता है कि क्या सचमुच आज का युवा दर्शक सिर्फ तेज रफ्तार फिल्मों का दीवाना है? अगर ऐसा ही होता तो भला '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी धीमी रफ्तार वाली फिल्मों को युवाओं ने इतना क्यों पसंद किया? दरअसल, बहस सिर्फ स्पीड की नहीं इंगेजमेंट की है। आज का युवा दर्शक वाकई कहानी में अनावश्यक खिंचाव नहीं चाहता, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि वह भावनात्मक गहराई को समझता नहीं या उसे पसंद नहीं करता। जब भी ऐसी फिल्में आती हैं, जिनमें भावनात्मक गहराई मौजूद होती है, तो फिर वह उन्हें निश्चित रूप से पसंद करता है। '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी फिल्मों का कथानक भी महानगरों से दूर ग्रामीण परिवेश का था, फिर भी ये दोनों फिल्में खासकर युवा दर्शकों द्वारा खूब पसंद की गईं, तो इसका मतलब यह है कि युवा दर्शक सिर्फ तेज स्पीड और हाई इंगेजिंग फिल्मों को ही पसंद नहीं करते बल्कि उन सभी फिल्मों को पसंद करता है, जो उनकी भावनाओं को स्पर्श करती हैं। आज के युवा दर्शक अच्छी कहानी पसंद करते हैं, चाहे वह तेज हो या फिर चाहे धीमी ही क्यों न हो।

पुरानी फिल्मों में नहीं था स्पीड का प्रेशरः पुराने जमाने की फिल्मों के पात्र आपस में देर तक बातचीत करते थे। खामोशी होती थी, तो वह भी कई बार इतनी लंबी होती थी कि दर्शक खुद खामोशी महसूस करने लगता था। इस तरह अगर इस स्पीड के पैमाने पर पुरानी फिल्मों को कसें तो कोई फिल्म ही नहीं हिट होनी चाहिए थी। लेकिन हम जानते हैं कि फिल्मों की सफलता की दर आज के मुकाबले पहले कहीं ज्यादा थी। यह अलग बात है कि आज के मुकाबले फिल्मों की कमाई बहुत कम थी। वास्तव में पेस (स्पीड) इन दिनों सच्चाई से कहीं ज्यादा एक फैशन की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सच यह है कि आज के दर्शक भी गहरे और इंटेंस कम रफ्तार के दृश्य भी खूब पसंद करते हैं।

स्पीड के अलावा भी हैं कई फैक्टर्सः आज का युवा दर्शक सिर्फ धीमेपन से बोर नहीं होता बल्कि बेसिर पैर के फिल्म के खिंचाव, बिना किसी वजह फिल्म को वल्गर बनाने की कोशिश और जबर्दस्ती फिल्मों में ठूंस दिए गए आइटम सॉन्ग जैसे एक्सपेरिमेंट्स से चिढ़ता है। उसे ऐसी फिल्में वाकई ज्यादा पसंद नहीं आतीं, जिनमें जानबूझकर लॉजिक की ऐसी-तैसी की गई हो। आज का दर्शक फिल्म के हर फ्रेम में चाहे वह जिस तरह की भावना का हो, इसमें हाई इंटेंसिटी की तलाश करता है। कुल मिलाकर कहने का मतलब यह है कि सवाल रफ्तार का नहीं, निरंतरता का है। अगर फिल्में दर्शक को लगातार मानसिक और भावनात्मक तरीके से जोड़े रखती हैं, तो वह धीमी होकर भी प्रभावशाली हो सकती हैं, यह कोई ब्रह्म वाक्य नहीं है कि आज का दर्शक स्पीड और हाई इंगेजिंग ट्विस्ट वाली फिल्में ही देखना चाहते हैं। वे केवल एंटरटेनमेंट चाहते हैं। *

रोचक
शिखर चंद जैन

इन दिनों फ्रूट मार्केट में तरह-तरह के आम खूब मिल रहे हैं। इनका स्वाद तो लाजवाब होता ही है, इनसे जुड़े अतीत के कुछ किस्से भी बड़े दिलचस्प हैं।

आम से जुड़े ये किस्से हैं बेहद खास

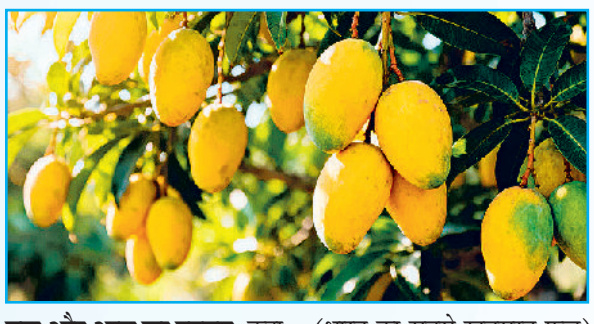

भारत में आम केवल एक फल नहीं, बल्कि संस्कृति, साहित्य इतिहास और राजनीति का एक अहम हिस्सा रहा है। सम्राटों से लेकर राजनेताओं और साहित्यकारों तक, आम की मिठास ने कई किस्सों को जन्म दिया है। हिंदी साहित्य में 'आम' न केवल फलों का राजा होने के कारण प्रसिद्ध है, बल्कि यह वसंत ऋतु, प्रेम, मादकता और कामदेव के प्रतीकों के रूप में भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्राचीन संस्कृत साहित्य से लेकर आधुनिक हिंदी कविता और निबंधों तक, आम का बौर, उसकी खुशबू और मिठास कवियों और लेखकों की कल्पना का अभिन्न हिस्सा रही है। आम से जुड़े कुछ रोचक किस्से हैं, जो आज भी रस ले-लेकर सुने-सुनाए जाते हैं।

आम्रपाली और आम्रपाली आम का रिश्ताः बिहार की प्रसिद्ध नृत्यांगना और वैशाली की गणिका आम्रपाली, आम के पेड़ के नीचे शिशु रूप में मिली थी, इसलिए उसका नाम 'आम्रपाली' (आम के पत्ते) रखा गया। आम की एक लोकप्रिय किस्म 'आम्रपाली' का नामकरण उसी के नाम पर किया गया है।

बुद्ध और आम का उपवनः कहा जाता है कि आम्रपाली ने भगवान बुद्ध को अपने आम के बाग (आम्रवन) में आमंत्रित किया था और उन्हें वह बाग दान कर दिया था। आम्रपाली बाद में महात्मा बुद्ध की शिष्या बन गईं।

अमीर खुसरो का आम पर शेरः 13वीं सदी के महान कवि अमीर खुसरो ने फारसी में आम की प्रशंसा में कविताएं लिखी थीं। खुसरो ने आम को 'नगजा तरीन मेवाह हिंद' (भारत का सबसे खूबसूरत फल) कहा था।

अलाउद्दीन खिलजी की शाही दावत में आमः दिल्ली के सुल्तान रहे अलाउद्दीन खिलजी आम के दीवाने थे। कहा जाता है कि उन्होंने दिल्ली के 'कुश-ए-फिरोजी' में आम की कई किस्मों की एक शानदार दावत दी थी, जिसमें उन्होंने आम के साथ संगीत का शानदार कार्यक्रम आयोजित करवाया था।

आम का दीवाना बाबरः मुगल वंश के संस्थापक बाबर को आम इतना पसंद था कि उसने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-बाबरी' में आम का जिक्र किया है। कहा जाता है कि वह भारत में आम का स्वाद चखकर चकित रह गया था, क्योंकि यह फल मध्य एशिया के देशों में नहीं मिलता था।

अकबर का आम प्रेम और लाख बागः मुगल बादशाह अकबर आम का इतना शौकीन था कि उसने बिहार के दरभंगा में 1 लाख से अधिक आम के पेड़ों का बाग लगवाया था, जिसे 'लाखी बाग' कहा जाता था। उसने आम की कई उन्नत किस्मों को भी विकसित करने में सहायता दी थी।

मिर्जा गालिब की आम-दीवानगीः मशहूर शायर मिर्जा गालिब आम के बड़े दीवाने थे। वे कहते थे कि 'आम में बस दो ही खूबियां होनी चाहिए-वे मीठे हों और बहुत सारे हों।' एक किस्से के अनुसार, जब उनके दोस्त ने आम को नापसंद किया, तो गालिब ने नाराज होकर कहा था, 'गधे भी आम नहीं खाते।' *

भारत में हुई आम की उत्पत्तिः माना जाता है कि आम की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत में हुई, जहां 4000 वर्ष ईसा पूर्व हिंदू ग्रंथों में इस फल का उल्लेख मिलता है। बौद्ध भिक्षु भी इस फल की खेती करते थे। प्राचीन काल में बौद्ध भिक्षुओं और बाद में व्यापारियों तथा विदेशी यात्रियों के माध्यम से आम दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका और अंततः दक्षिण अमेरिका तक पहुंचा।